राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार,१९ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३२० पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सड़कों के गड्ढे, ब्लैक स्पॉट दूर करना अब केंद्र के अफसरों के जिम्मे, बनाना होगा एक्शन प्लान

नई दिल्ली। देश की सड़क सुरक्षा सुदृढ़ करने के लिए समर्पित केंद्र सरकार ने क्षेत्रीय अफसरों पर नकेल कस दी है। कागजी खानापूर्ति करने वाले अफसरों को समय-समय पर राष्ट्रीय राजमार्गों व राज्य राजमार्गों का सफर करना होगा। इस दौरान राजमार्गों के गड्ढों, अवरोधों ब्लैक स्पॉट व त्रुटियों को ठीक करने का एक्शन प्लान बनाकर राज्यों में बैठे वरिष्ठ अधिकारियों को भेजना होगा। देश के सभी राज्यों में लागू इस नई व्यवस्था पर दिल्ली मुख्यालय से नजर रखी जाएगी। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने राज्यों में नियुक्ति अपर महानिदेशकों, चीफ इंजीनियर, क्षेत्रीय अधिकारियों (आरओ) पिछले हफ्ते निर्देश जारी कर दिया है। इसमें उल्लेख है कि क्षेत्रीय अफसर यात्राएं कर अपने क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों का सड़क सुरक्षा की समयबद्ध निगरानी करेंगे। इसमें सड़क सुरक्षा, रख रखाव, मरम्मत आदि मुद्दों को शामिल करेंगे। सड़कों पर गड्ढों, टूट-फूट, अवरोधक, ब्लैक स्पॉट, जर्जर सड़कें आदि को ठीक करने को लेकर एक्शन प्लान बनाएंगे। राज्यों में मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, बीआरओ आदि एजेंसियों ठीक कराएंगे। इसके एक माह के भीतर सड़क परिवहन मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट भेजेंगे। लापरवाही बरतने वाले क्षेत्रीय अफसरों, ठेकेदार, निर्माण कंपनियों की जवाबदेही तय की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत सड़क हादसों में हो रही है। सरकार ने आगामी 2025 तक इसमें 50 फीसदी कमी लाने का लक्ष्य रखा है। इसलिए क्षेत्रीय अफसरों पर सख्ती करते हुए मौका मुआयना करने का फैसला किया है। सड़क परिवहन मंत्रायल ने पिछले महीने राष्ट्रीय राजमार्गों के ब्लैक स्पॉट ठीक करने के प्रोटोकॉल जारी कर दिए हैं। इसमें राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट की पहचान, सुधार व निगरानी के लिए अल्प व दीर्घकालिक योजना के लिए सरकार ने पहली बार मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की है।

मध्य प्रदेश में किसानों से बोले पीएम मोदी-

एमएसपी बंद होगी, न खत्म होगी

भोपाल। कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली में हो रहे प्रदर्शन के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के किसानों के सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक तरफ किसानों के लिए उनकी सरकार की तरफ से किए गए कामकाज को गिनाते हुए अपनी नीयत को गंगाजल और नर्मदा के जल जितना पवित्र बताया तो विपक्ष पर जमकर पलटवार किया। पीएम ने कहा कि राजनीति करने वालों को दिक्कत इस बात से है कि इनके किए गए वादों को मोदी ने कैसे पूरा कर दिया।

वह मोदी को मिलने वाले क्रेडिट से परेशान हैं। पीएम ने किसानों की हर चिंता को दूर करने का प्रयास करते हुए कहा कि यदि अब भी कुछ किसानों को शंका रह गई हो तो उनकी सरकार सिर झुकाकर, किसानों के सामने हाथ जोड़कर देश हित में उनसे हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है।

पीएम मोदी ने कहा, 'किसानों की उन मांगों को पूरा किया गया है जिन पर वर्षों से सिर्फ मंथन चल रहा था। किसानों के लिए जो कानून बने हैं, ये रातोंरात नहीं आए हैं। पिछले 20-22 साल से देश की हर सरकार ने इस पर व्यापक चर्चा की है। सभी संगठनों ने विमर्श किया है। देश के किसान, वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री कृषि क्षेत्र में सुधार की मांग करते आ रहे हैं। किसानों को उनसे सवाल पूछना चाहिए कि जो पहले अपने घोषणा पत्र में ये वादे करते थे, वोट बटोरते रहे, लेकिन उन वादों को पूरा नहीं किया। क्योंकि उनकी प्राथमिकता में किसान नहीं था।'

'मोदी को क्रेडिट मिलने से हैं परेशान'

मोदी ने किसी राजनीतिक दल का नाम लिए बिना कहा, 'आज यदि सभी राजनीतिक दलों के घोषणापत्र देखे जाएं, बयान देखे हैं तो आज जो भी सुधार हुए हैं उनसे अलग नहीं है। वे जिन बातों का वादा करते थे उन्हें ही पूरा किया गया है। उन्हें तकलीफ इस बात से नहीं है कि कृषि सुधार क्यों हो गया, उन्हें तकलीफ है कि मोदी ने यह काम कैसे कर दिया, मोदी को कैसे क्रेडिट मिल गया। मैं हाथ जोड़कर कहता हूं क्रेडिट आप ले लो, लेकिन किसानों को बरगलाना छोड़ दीजिए। मैं सारा क्रेडिट आपके पुराने घोषणा पत्रों को देता हूं, मुझे क्रेडिट नहीं चाहिए। मैं केवल किसानों की जिंदगी आसान बनाना चाहता हूं। उन्हें समृद्ध बनाना चाहता हूं।'

पीएम मोदी ने एमएसपी पर भरोसा देते हुए कहा,'हमें एमएसपी हटानी ही होती तो स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू क्यों करते? हमारी सरकार हर बार बुआई से पहले एमएसपी की घोषणा करती है। इससे किसानों को पहले ही पता चल जाता है कि इस फसल पर इतनी एमएसपी मिलेगी।

'कानून लागू होने के छह-सात महीने बाद फैलाया भ्रम'

पीएम मोदी ने कहा, 'यह कानून लागू हुए छह सात महीने से ज्यादा हो गया है। अब अचानक भ्रम का जाल फैला दिया गया है। आपने देखा होगा सरकार बार बार पूछ रही है आपको कानून में किस धारा में क्या दिक्कत है। तो इन राजनीतिक दलों के पास कोई ठोस जवाब नहीं होता। यही इन दलों की सच्चाई है। किसानों को जमीन चली जाएगी का डर दिखाकर अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं। जब इन लोगों को सरकार चलाने का मौका मिला तो इन लोगों ने क्या किया, यह याद रखना चाहिए।'

ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

अगली सुनवाई तक बीजेपी नेताओं के खिलाफ ऐक्शन पर रोक

नई दिल्ली। ममता सरकार को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बीजेपी नेताओं के खिलाफ पश्चिम बंगाल में दायर आपराधिक मामलों को लेकर उनका बचाव किया है और अगली सुनवाई तक किसी भी कार्रवाई पर रोक लगा दी है। बीते दिनों ममता सरकार ने बीजेपी के कई नेताओं पर आपराधिक मुकदमे दर्ज किए थे। कोर्ट ने बीजेपी नेताओं की ओर से दायर याचिका पर आदेश सुनाया है। जस्टिस एसके कॉल की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच ने बीजेपी नेताओं द्वारा दायर याचिका को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार और पुलिस को नोटिस जारी किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय, बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, बीजेपी सांसद अर्जुन सिंह, सौरव सिंह, पवन कुमार सिंह और कबीर शंकर बोस ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी जिसमें उन्होंने अपील की है कि उनके खिलाफ पश्चिम बंगाल में दर्ज फर्जी आपराधिक मुकदमों को रद्द किया जाए। याचिका में ये भी मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट राज्य सरकार को आदेश दे कि उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में कोई कार्रवाई न की जाए। इन नेताओं का कहना था कि ये केस इसलिए दर्ज किए गए हैं ताकि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में उन्हें राज्य में घुसने से रोका जा सके।

बीजेपी नेता ने अपने खिलाफ छोट-मोटे मामलों को लेकर 2019 में दर्ज किए गए 64 केसों के बारे में बताया। कैलाश विजयवर्गीय सहित 4 बीजेपी नेताओं की ओर से कोर्ट में वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी पैरवी कर रहे थे तो वहीं, कबीर बोस की तरफ से महेश जेठमलानी पक्ष रख रहे थे।कबीर बोस के अलावा, बाकी सभी मामलों को लेकर कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई तक इन नेताओं के खिलाफ ममता सरकार किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं कर सकती। मामले की अगली सुनवाई जनवरी में हो सकती है। कोर्ट का नोटिस ममता सरकार और पश्चिम बंगाल पुलिस को भेज दिया गया है।

दिल्ली हाई कोर्ट का फैसला-शादी का वादा करके सेक्स करना हमेशा रेप नहीं

नई दिल्ली। रेप केस की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि शादी के वादे पर शारीरिक संबंध बनाना हर बार रेप नहीं है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि आपसी सहमति से लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाना रेप की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है और लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाना और फिर बाद में शादी के वादे से मुकरने के आधार पर रेप का मुकदमा दर्ज नहीं कराया जा सकता है। उच्च न्यायालय ने इसी तरह के कथित दुष्कर्म के मामले में आरोपी को बरी करने के लिए निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की है। जस्टिस विभु बाखरू ने निचली अदालत के खिलाफ की अपील को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि महिला और आरोपी देनों लंबे समय तक आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बनाए हैं। साथ ही कोर्ट ने कहा कि महिला ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दाखिल करने में भी 640 दिनों की देरी कर दी है। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा हैकि शारीरिक संबंध बनाने के लिए शादी का वादा करने का प्रलोभन देना और पीड़िता के इस

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि महिला की शिकायत के मुताबिक उसने 2008 में आरोपी के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे और इसके तीन या चार माह बाद उसने उससे शादी करने का वादा किया।

तरह के झांसे में आना समझ में आ सकता है, लेकिन शादी का वादा एक लंबे और अनिश्चित समय की अवधि में शारीरिक संबंध के लिए सरंक्षण नहीं दिया जा सकता। इसके साथ ही उच्च न्यायलय ने कहा है कि महिला की शिकायत के साथ-साथ उसकी गवाही से भी साफ जाहिर होता है कि आरोपी के साथ उसके संबंध सहमति से बने थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि महिला की शिकायत के मुताबिक उसने 2008 में आरोपी के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे और इसके तीन या चार माह बाद उसने उससे शादी करने का वादा किया। इसके बाद वह लड़के के साथ रहने लगी थी। न्यायालय ने कहा है कि महिला ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि वह दो बार गर्भवती हुई। लेकिन आरोपी के बच्चे की चाहत नहीं होने के चलते उसने दवाई लाकर दी जिससे गर्भपात में उसे मदद मिली। उच्च न्यायालय ने कहा है कि महिला को यह भी याद नहीं है कि वह कब गर्भवती हुई और कब गर्भपात कराया। इसके साथ ही साक्ष्यों की कमी और अन्य पहलुओं को देखते हुए उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ महिला की अपील को खारिज कर दिया। निचली अदालत के 24 मार्च 2018 को साक्ष्यों के अभाव में आरोपी को दुष्कर्म के आरोपों से बरी कर दिया था।

भूकंप के झटकों से दिल्ली में दहशत, एनसीआर में भी हिली धरती, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.2

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में गुरुवार की रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसके डर से लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केन्द्र राजस्थान के अलवर में मौजूद रहा। राष्ट्रीय भूकंप के मुताबिक गुरुवार की रात 23 बजकर 46 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका केन्द्र राजस्थान के अलवर में रहा। रिएक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई। जबकि, भूकंप का केन्द्र जमीन के लगभग पांच किलोमीटर नीचे मौजूद रहा। ये भूकंप के झटके इतनी तीव्रता के थे कि इनके झटके दिल्ली-एनसीआर में महसूस किए गए। दिल्ली के कई हिस्सों में लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और बाद में भी घर के अंदर जाने से डरते रहे।

भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन 'Covaxin' के तीसरे फेज के ट्रायल के लिए AIIMS को नहीं मिल रहे वॉलंटियर

नई दिल्ली। भारत बायोटेक के कोविड-19 टीके के तीसरे चरण के ट्रायल लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को पर्याप्त संख्या में स्वेछा से टीकाकरण कराने वाले लोग (वॉलंटियर) नहीं मिल रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि लोग यह सोच कर नहीं आ रहे हैं कि जब सबके लिए टीका जल्दी ही उपलब्ध हो जाएगा तो ट्रायल में भाग लेने की क्या जरूरत है। भारत बायोटेक के कोवैक्सिन नामक टीके के अंतिम चरण के ट्रायल के लिए निर्दिष्ट संस्थानों में से एक एम्स है। ट्रायल के लिए संस्थान को लगभग 1,500 लोग चाहिए। कोवैक्सिन का निर्माण, सामुदायिक चिकित्सा विभाग में प्रोफेसर और इस अध्ययन के

भारत बायोटेक और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। एम्स में प्रधान निरीक्षक डॉ. संजय राय ने कहा, 'हमें 1500 से 2000 के लगभग लोग चाहिए थे, लेकिन अभी तक केवल 200 लोग आए हैं। लोग इस प्रक्रिया में यह सोचकर भाग नहीं ले रहे हैं कि जब टीका सबको मिलने वाला है तो ट्रायल में भाग लेने की क्या जरूरत है।' उन्होंने कहा कि जब स्वेच्छा से आने वाले लोगों को प्रकिया के बारे में बताया जाता है तब वे इसमें भाग लेने से मना कर देते हैं।

ट्रायल में भाग लेने का सुझाव दिया

डॉ. राय ने कहा,'क्लिनिकल ट्रायल की प्रक्रिया के बारे में जानने के बाद लोग भाग लेने से यह कहकर मना कर देते हैं कि जब टीका जल्दी ही मिलने वाला है तो इसमें भाग क्यों लिया जाए।' उन्होंने कहा कि जब पहले चरण का ट्रायल शुरू होने वाला था तब उन्हें सौ प्रतिभागियों की जरूरत थी लेकिन 4,500 आवेदन मिले थे। दूसरे चरण के ट्रायल के समय भी अस्पताल को चार हजार आवेदन मिले थे। डॉ. राय ने कहा कि लोगों को ट्रायल में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह टीके के ट्रायल में भाग लेने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विज्ञापन, ईमेल और फोन कॉल का सहारा लेने की योजना बना रहे हैं।

सिर्फ 5 राज्यों में ठीक हुए कोरोना के 52 फीसदी मरीज, जानें कहां कितने एक्टिव और कितने रिकवर

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना वायरस को कहर अब भी बना हुआ है। वायरस की रफ्तार भले ही कुछ धीमी हुई हो लेकिन इसका खतरा अब भी बरकरार है। विशेषज्ञों का कहना है कि जबतक कोरोना की वैक्सीन बनकर तैयार नहीं हो जाती है तब तक इससे पूरी तरह छुटकारा नहीं पाया जा सकता है। भारत की बात करें तो भारत के कुछ राज्यों में कोरोना के रिकवरी मामलों की संख्या दूसरे राज्यों के मुकाबले ज्यादा दिखाई देती है। देश के कुल पांच राज्यों में देशभर के 52 प्रतिशत कोरोना रिकवरी मामले हैं। आपको बता दें कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में कोविड-19 रिकवरी के कुल 52 प्रतिशत मामले हैं। भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय ने ये जानकारी दी है। आपको बता दें कि देशभर में कोरोना के 99,77,834 मामले सामने आ चुके हैं जिनमें से 95,20,044 लोग ठीक हो चुके हैं और 3,10,332 लोग अब भी वायरस से ग्रसित हैं। वहीं अगर कोरोना से होने वाली मौतों की बात करें तो भारत में कोविड-19 से 1,44,829

लोगों की मौत हो चुकी हैं। देशभर में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में हैं यहां कोरोना के कुल मामलों की संख्या 18,84,773 है। इनमें 17,74,255 लोग ठीक हो चुके हैं। जबकि 60,905 लोग अब भी वायरस का शिकार हैं। यहां 48,499 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी हैं। कर्नाटक में कोरोना के 9.05,901 मामले सामने आ चुके हैं। यहां 11,981 लोग कोरोना से अपनी जान गवां चुके हैं जबकि 15,205 अब भा वायरस की चपेट में हैं। इसके अलावा आंध्रपदेश में कोरोना के 8,77,349 मामले सामने आ चुके हैं। यहां 7,069 लोग कोविड-19 से अपनी जिंदगियां खो चुके हैं और 4,154 लोग अब भी वायरस का शिकार हैं। इसके अलावा तमिलनाडु में कोरोना के कुल 8,03,516 मामले हैं और यहां 11,942 लोगों की जानें कोरोना से जा चुकी हैं. केरला की बात करे तो यहां कोविड-29 के कुल6,88,410 मामले हौं और यहां 2,735 लोग वायरस की चपेट में आकर अपनी जान गवां चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

शीत लहर से सावधान

उत्तर भारत और राजस्थान के इलाकों में शीत लहर का प्रकोप शुरू हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तापमान पहले ही तीन डिग्री सेल्सियस तक गोता लगा चुका है और अधिकतम तापमान में गिरावट का क्रम जारी है। कश्मीर से लेकर उत्तराखंड, हिमाचल तक में बर्फ ने ज्यादातर इलाकों को जमा दिया है। जैसा कि होता आया है, पहाड़ों पर भारी बर्फबारी के चलते मैदानों में शीत लहर का कहर शुरू हो गया है। उत्तर भारत के ज्यादातर शहरों में सर्दी अभी से रिकॉर्ड तोड़ने की दिशा में बढ़ चली है। खासकर, पिछले सप्ताह हुई बारिश के बाद से मैदानी इलाकों में सितम का आलम है। राजस्थान के माउंट आबू में घने कोहरे के बीच तापमान एक डिग्री तक पहुंच गया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश में चल रही सर्द हवाओं ने जनजीवन और कोहरे ने यातायात को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। सतर्क हो जाना चाहिए, क्योंकि देश के कुछ इलाकों में सुबह या रात के समय 100 मीटर दूर भी साफ नहीं दिख रहा है। ताजा बर्फबारी के बाद कश्मीर के गुलमर्ग में तापमान शून्य से 12 डिग्री नीचे पहुंच गया है। कुल्लू घाटी में पारा शून्य से सात डिग्री नीचे दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी देना शुरू कर दिया है। किसी भी समय अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के नीचे जा सकता है, इसके बाद मौसम विभाग 'कोल्ड डे' घोषित कर देगा। जलवायु परिवर्तन और स्थानीय कारकों की वजह से किसी इलाके में ज्यादा, तो कहीं कम सर्दी देखने में आ सकती है। असमान व असामान्य सर्दी का भी सामना करना पड़ेगा। ऐसी सर्दी चूंकि कोरोना महामारी के दौर में पड़ रही है, अत- लोगों को इस बार कुछ ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है। विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल के प्रति ज्यादा सजग होकर अनेक प्रकार की परेशानियों से बचा जा सकता है। डॉक्टरों की सलाह के अनुरूप विशेष रूप से बुजुर्गों और बीमार लोगों को रहना होगा। अस्पतालों में विशेष व्यवस्था रखने की जरूरत है। चूंकि इस बार शारीरिक दूरी बनाए रखना भी जरूरी है, इसलिए रैन बसेरों का आकार भी बढ़ाना होगा। पिछले वर्षों की तुलना में ज्यादा रैन बसेरों की जरूरत पड़ेगी। जिन शहरों में रैन बसेरों की हर साल जरूरत पड़ती है, उन्हें अपने इंतजाम को अंजाम दे देना चाहिए। आम तौर पर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के आसपास ज्यादा भीड़ देखी जाती है, इन्हीं इलाकों में ज्यादा रैन बसेरे बनाए जाते हैं, लेकिन इस बार बहुत सारे जरूरतमंद किन्हीं एक-दो इलाकों के बजाय अनेक इलाकों में बिखरे हुए होंगे। उन सभी की जरूरत को पूरी संवेदना के साथ स्थानीय शासन-प्रशासन को देखना चाहिए। गरीब आबादी अगर रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के पास ज्यादा नजर नहीं आ रही है, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि अब जरूरतमंद लोग नहीं रहे। ठीक ऐसे ही अस्पतालों के आसपास भी रैन बसेरों की जरूरत पड़ती रही है, लेकिन ज्यादातर अस्पतालों में अभी भी सामान्य मरीज नहीं लिए जा रहे हैं, अनेक जगहों पर तो ओपीडी सेवा भी ढंग से शुरू नहीं हुई है। इसीलिए गांव से शहर तक स्थानीय निकायों के लिए चुनौती बहुत बढ़ गई है। गांव-गांव और गली-गली में चुने हुए प्रतिनिधियों को जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी। अगर हम यह सुनिश्चित कर सके कि इस सर्दी कोई भूखा न रहे, तो हम अनगिनत लोगों की जान बचा पाएंगे।

आज के ट्वीट

विश्वास

मैं देश के प्रत्येक किसान को ये विश्वास दिलाता हूं कि पहले जैसे MSP दी जाती थी, वैसे ही दी जाती रहेगी, MSP न बंद होगी, न समाप्त होगी

-- PM

बांग्ला संस्कृति में थे पाक पराजय के बीज

अभिजीत भट्टाचार्य

क्या वर्ष 1971 में भाषा के आधार पर नये राष्ट्र बांग्लादेश का बनना इतिहास में एक दुर्लभ दुर्घटना है? या फिर यह इतिहास की अदृश्य और निष्ठुर ताकत के कारण वजूद में आया था? वस्तुतः इसमें स्थानीय भूगोल ने महत्ती भूमिका निभाई थी, जिसे ज्यादातर अनदेखा किया जाता है। जब भारत यह दावा करता है कि 1971 में बांग्ला-भाषी आजाद मुल्क की रचना का श्रेय उसकी निभाई राजनीतिक-सैन्य धाय मां वाली भूमिका का है, तो यह बात एकदम सही है, बावजूद इसके भारत के कुछ सीमांत इलाकों में चीन की शह और पाकिस्तान की मदद प्राप्त तत्वों द्वारा पैदा होने वाली गड़बड़ी का अंदेशा बना रहता है। यदि कोई समूचे बंगाल अंचल की परस्पर जुड़ी भौगोलिकता के अवयवों का आकलन करे तो एक सार्वभौमिक राष्ट्र के तौर पर बांग्लादेश के 49 साल पूरे होना और ज्यादा विश्वसनीय बन जाता है। पूरब के इस अंचल की कठिन भौगोलिकता का वर्णन ढाका विश्वविद्यालय के मशहूर इतिहासकार डॉ. सुधींद्र नाथ भट्टाचार्य ने अपनी पुस्तक 'बंगाल का इतिहास' में संक्षेप में दिया है। इसमें बताया है कि कैसे बंगाल को नाथने में मुगलों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, वे लिखते है : 'जीत प्राप्ति और फिर राज कायम करना काफी मुश्किल हो गया था क्योंकि ग्रामीण इलाकों का मौसम और भौगोलिकता विलक्षण है। अनेकानेक नदियां, धाराएं, नाले, खड्ड, दलदली प्रदेश, उष्ण आर्द्रता, लगभग आधे साल की बारिश, विशिष्ट हरियाली, गेहूं और बाजरे का न होना, हिंदी और उर्दू से अलहदा अपनी अलग भाषा होना इत्यादि ऐसे अवयव हैं, जिनकी वजह से मुगलों के बड़े ओहदेदार बंगाल में काम करने से कतराते थे।' तो क्या पाकिस्तानी सेना ने 1971 में 'पूरब के कालों' पर बर्बर जुल्म ढहाकर मुगलों का इतिहास दोहराया था? हालांकि, 'पूरब के काले' ही पाकिस्तानी फौज के लिए सबसे बड़ी रुकावट बने थे, किंतु इसके अलावा कुछ और भी गहरे कारक थे। बंगाल के पूरबी हिस्सों का भू-आकृति विन्यास और भौगोलिकता दक्षिण एशिया के गैर-पूरबी इलाकों से अलहदा है और दोनों के बीच संस्कृति और सभ्यता के आधार पर चाल-चलन का भी काफी अंतर है। इसकी तस्दीक डॉ. निहार रंजन रे द्वारा लिखित विशिष्ट किताब 'बंगाली लोगों का इतिहास' (1950) से होती है। इसी तरह युआन-चुआंग के शब्दों में :'जहां पुरंद्रवर्धन (ब्रह्मपुत्र का दक्षिणी भाग) क्षेत्र के लोग सपाट, धर्मभीरू, संस्कृति एवं शिक्षा ग्रहण के प्रति शौक रखते हैं, वहीं ताम्रलिप्ति (तामलुक का तटीय शहर) के लोग बहादुर, उद्यमी, शिक्षा के लिए उत्सुक किंतु व्यवहार के कड़क हैं। समातता (तटीय अंचल) के लोग सख्त मेहनती हैं तो कर्णसुवर्ण (मध्य बंगाल) के बाशिंदे विनम्र, उच्च चरित्रवान और छात्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाले हैं। लेकिन साहित्यिक उल्लेखों में बंगाल को लेकर बातें ज्यादा उत्साहवर्धक नहीं लगती, बोधयान धर्मसूत्र के व्याख्यान में बंगाल के बारे में राय अच्छी नहीं पाई जाती : 'वंग (बंगाल) से मध्य भारत (आर्यवर्त) में लौटने के बाद व्यक्ति को परिशुद्धि करना जरूरी है, क्योंकि यह एक बर्बर इलाका है।' (क्या ठीक यही सोच अविभाजित पाकिस्तान की सेना की भी नहीं थी)। हालांकि, अलग राय रखने वाले भी अपनी बात कह गए हैं। बंगाल और आर्यवर्त के बीच जन्मजात विरोधता और आक्रामक रुख के बारे में आगे लिखा है : 'गौड़ा (मध्य बंगाल), पुरंद्रवर्धन और वंग क्षेत्र के लोगों में आर्यों या आर्य-पूर्व लोगों की भाषा, संस्कृति, रीति-रिवाज के प्रति न तो समझ है, न ही कदर।' बंगाल की भौगोलिकता की विलक्षणता ज्यादातर याद न रखी जाने वाली हकीकत है। इस क्षेत्र की साझी बोली या समान जातीयता होने के बावजूद जरूरी नहीं राजनीतिक और प्राकृतिक सीमाएं एक ही रही हों। बंगाल की उर्वर भूमि ने सदा उन्हें आकर्षित किया, जिनके यहां बंजर या कम उर्वर जमीन थी, ताकि बेहतर जीवनयापन पा सकें। पूरब को लेकर अन्य महत्वपूर्ण परिदृश्य यह है कि बंगाल में भाषा, साहित्य और पठन-पाठन का शौक रिवायती रूप से लोगों में काफी गहरा है। यह सच है और जाना-माना आयाम है कि पुरातन भारत में शिक्षा की शुरुआत वेद और उपनिषदों से हुई थी। हालांकि, डॉ. निहार रंजन रे के मुताबिक इनके जरिए शिक्षा और छात्रवृत्ति पाने की जो व्यवस्था थी, यहां तक कि धर्मशास्त्रों और धर्म-सुश्रुताओं के माध्यम से भी, उसका लंबे समय तक बंगाल पर कोई असर नहीं रहा था। इसके अलावा बंगाली भाषा का एक और गौरतलब चरित्र है : अन्य भाषाओं के शब्द लेने-स्वीकार करने में लचीलापन और इनका इस्तेमाल, मसलन मोन-खमेर और द्रविड़ भाषाओं से संबंधित कोला-मुंडा भाषा वर्ग से शब्द लिए। आगे चलकर तिब्बत-बर्मा की बोली से भी शब्द आए। ईसा के जन्म से सदियों पहले बंगाल में विविध भाषाओं के शब्दों का समावेश और इस्तेमाल होना शुरू हुआ और अंततः वह मौजूदा प्रारूप तैयार हुआ, जो भाषा विन्यास में समृद्ध किंतु सीखने में आसान है और जो दुनिया में लगभग 32 करोड़ लोगों के बीच संवाद माध्यम है। इसलिए जिन्हें आज 'बंगाली' के नाम से जाना जाता है, वस्तुतः उनका संबंध किसी एक कबीले से न होकर विविध जातीय झुंडों से है। अब उनके बीच बंगाली भाषा उभयनिष्ठ एवं मजबूत पुल है। अफसोस की बात है कि बंदूक के दम पर राज करने वाले पाकिस्तानी शासकों को बंगाल अंचल की ऐतिहासिक विषम भौगोलिक चुनौतियां, बंगाली लोगों की गहन संवेदनशीलता और दृढ़ निश्चय समझ नहीं आया। अतएव जब पाकिस्तान की पूरबी कमान के मुखिया ले. जनरल एके नियाज़ी ने अपनी पुस्तक 'पाकिस्तान से दगा' (1998) में लिखा : 'बंगालियों में इतनी हिम्मत कहां थी कि वे पाकिस्तान के अनुशासित और अनुभवी फौजियों की ताब के सामने खड़े हो पाते', तो यह दर्शाता है कि इस विफल जनरल में किस कदर घमंड और अज्ञान अंदर तक धंसा हुआ था। स्पष्ट है तभी तो सैन्य पंचाट की इसी अज्ञानता ने युद्धभूमि में अभूतपूर्व मात दिलवाई थी। क्या हैरानी कि बंगाली भाषी जनसमूह ने उठ खड़े होकर पाकिस्तान फौज को पूरबी मोर्चे पर धूल चटाई थी। सार्वभौमिक बांग्लादेश बनने से दक्षिण एशिया के इतिहास में एक समृद्ध अध्याय जुड़ा है। वर्ष 1950 के दशक में बनी कराची-ढाका निजाम लीक 2020 आते-आते दिल्ली-ढाका मैत्री में तब्दील हो चुकी है, कम से कम फिलहाल।

लेखक टिप्पणीकार एवं लेखक हैं।

ज्ञान गंगा

ध्यान और रिश्ता

जग्गी वासुदेव

अगर आप मानव अस्तित्व की सबसे बुनियादी समस्या से निबटने की कोशिश करते हैं तो बाकी सभी समस्याएं तुच्छ और अर्थहीन नजर आती हैं। अगर आप इस स्थिति तक नहीं पहुंचे हैं तो कोई बात नहीं, लेकिन फिर भी जुकाम ठीक करने के लिए कीमो का इस्तेमाल करना ठीक नहीं। यह बेहद अफसोस की बात है कि जब आप ध्यान करते हैं, केवल तभी आपके मन में कुछ स्पष्टता रहती है, बाकी समय आपके मन में भारी हलचल या कोलाहल रहता है। इसकी वजह है आपके भीतर बुनियादी तौर पर एक भ्रम है। हम ईशा क्रिया द्वारा इसको सरल तरीके से दूर करने की कोशिश करते हैं। क्रिया के दौरान कहा जाता है-'न ही मैं शरीर हूं और न ही मन हूं।' अगर आपने यह चीज अनुभव के स्तर पर समझ ली तो आपकी बाकी समस्याएं एक झटके में गायब हो जाएंगी। आज परिवार की किसी छोटी-मोटी समस्या ने अगर आपके होश उड़ा रखे हैं। इसे ठीक करने के लिए आप ध्यान का सहारा मत लीजिए। इसके लिए टहलिए, तैराकी कीजिए और अपना होश दुरुस्त कीजिए। आखिरकार आपने अपने कल्याण के लिए अपने आसपास परिवार खड़ा किया है। अगर यह आपकी बेहतरी के खिलाफ काम कर रहा है, तो फिर आपको यह देखने की जरूरत है कि इस पूरे मामले में आप कहां गलती कर रहे हैं। क्या आपने परोपकार के लिए शादी की थी? आपने शादी इसलिए की थी कि आप अकेले नहीं रह सकते थे। आपकी दलील होगी, 'अरे सद्गुरु , ये सब इतना आसान नहीं है। आप नहीं जानते कि हर दिन मेरे साथ क्या कुछ हो रहा है?' मुझे ये सारी चीजें पता हैं। बल्कि आप अपनी जिंदगी का सही नजरिया खो रहे हैं। आपका ध्यान रोजमर्रा की तुच्छ समस्याओं के हल के लिए नहीं हैं, बल्कि यह मानव अस्तित्व की सबसे बुनियादी समस्या से निबटने के लिए है। आप नहीं जानते कि आप इस दुनिया में क्यों आए हैं और आपके अस्तित्व की प्रकृति क्या है? अगर आप अपने अस्तित्व की मूल प्रकृति को जानते तो फिर ये सारी चीजें आपके लिए महज एक खेल होतीं। आप जिंदगी के इस खेल या नाटक को जब तक, जहां तक और जिस तरह खेलना चाहते, अपनी जरूरत के हिसाब से खेल सकते थे। हर व्यक्ति को एक ही तरह से, एक ही स्तर तक नाटक खेलने की जरूरत नहीं है।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

अभावों की तपिश से सुनहरी कामयाबी तक

अरुण नैथानी

यह एक सुखद संयोग ही है कि दुनिया में कोरोना महामारी से निपटने में बेहतर प्रबंधन और जनता से संवेदनशील व्यवहार की सफल कोशिश के लिये जिन देशों की गिनती होती है, उन सभी देशों में महिला शासनाध्यक्ष ही रही हैं। इनमें जर्मनी, न्यूजीलैंड, ताइवान, और फिनलैंड शामिल हैं। इन शासन प्रमुख ने समय रहते कोरोना संक्रमण रोकने के लिये ठोस कदम उठाये और अपनी देश की जनता का विश्वास हासिल किया, जिससे जहां यह कोरोना संकट समय रहते काबू में आया, वहीं लाखों जानों को बचाया जा सका। इन नेताओं में फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मरीन अग्रणीय हैं। सना मरीन की कामयाबी एक करिश्माई कथा जैसी है। उनका जीवन तमाम उतार-चढ़ावों से गुजरा। पारिवारिक जीवन बेहद दुखद परिस्थितियों से गुजरा। परिवार का बिखरना और उनका अनाथालय पहुंचना इसी कड़ी का हिस्सा रहा। लेकिन ये तमाम संकट सना के फौलादी इरादों को नहीं बदल पाये, जिसकी बदौलत वे आज फिनलैंड की प्रधानमंत्री बन सकी। ऐसा भी नहीं था कि सना मरीन ने बहुत प्रतिभाशाली छात्रा के रूप में जीवन की शुरुआत की। उनके शिक्षक उन्हें औसत विद्यार्थी के रूप में देखते थे, जो अग्रिम विद्यार्थियों की श्रेणी में आने के लिये जद्दोजहद करती नजर आती थी। लेकिन लक्ष्य के प्रति विश्वास भरी प्रतिबद्धता ने उन्हें सफलता के इस मुकाम तक पहुंचाया। आज सना की गिनती सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री के रूप में होती है। छोटे से खूबसूरत देश फिनलैंड में लैंगिक समानता की गौरवपूर्ण विरासत रही है। दरअसल, फिनलैंड वर्ष 1906 में पहला ऐसा देश बना जहां महिलाओं को पूर्ण मतदान व लोकतांत्रिक अधिकार मिले, जिसके चलते वहां अगले वर्ष उन्नीस महिलाएं संसद के लिये चुनी गईं और वर्ष 2000 में राष्ट्रपति व वर्ष 2003 में पहली महिला प्रधानमंत्री बन चुकी थी। जबकि तमाम यूरोपीय देशों में महिलाओं को ये अधिकार द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद व्यापक जद्दोजहद के बाद मिल सके। यही वजह है कि फिनलैंड में महिलाएं हर मायने में सक्षम और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं। फिनलैंड में बदलावकारी नेतृत्व के रूप में पहचान बनाने वाली सना मरीन की सरकार महिलाओं के नेतृत्व वाले गठबंधन पर आधारित है। कोरोना संकट के दौरान प्रधानमंत्री सना मरीन व उनकी सहयोगियों ने निरंतर निगरानी और नियमित संवाद से आपातकाल में जनता का दिल जीतने का प्रयास किया । सामाजिक राजनीतिक जीवन में सक्रियता के बीच सना को कोरोना दौर के मध्य अगस्त में विवाह करने का मौका मिला। फिनलैंड के लोगों को प्रधानमंत्री के विवाह की सूचना तब मिली जब सोशल मीडिया पर उनकी हनीमून की तस्वीर वायरल हुई। हालांकि, वे अपने प्रेमी के साथ लंबे समय से सहजीवन में थीं और उनकी एक बेटी भी है। उन्होंने पूर्व फुटबाल खिलाड़ी मार्कस रेकोनेन से शादी की। दिसंबर 2019 में, सना मरीन फिनलैंड में सबसे कम उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाली महिला हैं। वे चौंतीस साल की उम्र में प्रधानमंत्री बनी। सरकार बनने के बाद जब पहली फोटो जारी की गई थी तो पांच पार्टियों की प्रतिनिधि महिलाएं इसमें नजर आईं, जिसमें सिर्फ एक महिला चौंतीस साल से अधिक की थी। इसके जरिये फिनलैंड के लोगों की ओर से संदेश देने की कोशिश हुई कि वे युवा पीढ़ी का नेतृत्व करती हैं, जिसके चलते सना की सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचा था। ये यह भी बताने का प्रयास था कि फिनलैंड में यह परंपरागत राजनीति से इतर की सरकार है। बीते साल दिसंबर में प्रधानमंत्री बनी सारा मरीन सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी का प्रतिनिधित्व करती हैं। दरअसल, कोरोना संकट से निपटने के सना सरकार के प्रयासों को फिनलैंड की जनता का अच्छा प्रतिसाद मिला। मार्च में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कोविड-19 को महामारी घोषित करने के कुछ ही दिन के भीतर सरकार ने लॉकडाउन लगाकर आपातकालीन अधिकारों का प्रयोग किया। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद इस आपातकालीन कदम को विरोध भी हुआ, लेकिन जनता ने साथ दिया। चिकित्सातंत्र के साथ नियमित संवाद और ऑनलाइन बैठकों के जरिये आफत से राहत दिलवायी गई। सना और उनकी चार सहयोगी हर सप्ताह न केवल वायरस से जुड़ी जानकारी देती बल्कि जनता के सवालों का सहजता से जवाब भी देती रहीं। एक सदस्य सिर्फ बच्चों से संवाद व परामर्श करती थीं। इसका परिणाम यह हुआ कि फिनलैंड में कोरोना संकट नियंत्रित रहा। संक्रमण भी कम रहा और क्षति भी कम हुई। हालांकि, फिनलैंड एक छोटा देश है, लेकिन फिर भी यहां कोविड-19 से सिर्फ 370 मौतें ही हुई। अपनी सफलता का श्रेय वह इस बात को देती हैं कि हमने पूरी जानकारी का उपयोग किया और वैज्ञानिकों की बात को गंभीरता से लिया। साथ ही ऊहापोह की स्थिति में निर्णायक फैसले लिये। जनता के सरकार पर भरोसे ने हमारा काम आसान किया। सना की कोशिश होती है कि अपने जीवन में उन्होंने जो दुख देखे आम लोगों को वैसे कष्ट न हों। निश्चय ही 20 साल की उम्र में राजनीति में सक्रिय होकर 34 साल में प्रधानमंत्री बनने वाली सना की कामयाबी प्रेरक है। अनाथालय से निकलकर छोटी-मोटी नौकरी से परिवार को संबल देने वाली सना आज बखूबी देश चला रही हैं। आज सना की प्राथमिकता है कि सरकार उस समानता योजना को मूर्त रूप दे, जिसमें माता-पिता को बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी समान रूप से निभाने, महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा रोकने, वेतन में लिंग के आधार पर भेदभाव खत्म करने तथा गरीब व दूसरे देशों से आये मजबूर लोगों की पढ़ाई आदि की व्यवस्था की जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ताजा सौदों की लिवाली से तांबा वाायदा कीमतों में मामूली तेजी

नयी दिल्ली. हाजिर मांग में तेजी आने के बीच वायदा कारोबार में शुक्रवार को तांबा वायदा भाव 0.7 प्रतिशत की तेजी के साथ 615.20 रुपये प्रति किलो हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर अनुबंध के लिये तांबा का भाव 4.30 रुपये यानी 0.7 प्रतिशत की तेजी के साथ 615.20 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 5,048 लॉट के लिये सौदे किये गये। विश्लेषको ने तांबा वायदा कीमतों में तेजी आने का श्रेय, हाजिर मांग में तेजी के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार बढ़ाने को दिया।

सुलभ और सस्ती ऊर्जा के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की जरूरतः अदाणी ग्रुप

नई दिल्ली: अदाणी ग्रुप के ग्रुप सस्टेनेबिलिटी प्रमुख प्रोफेसर अरुण कुमार शर्मा ने कहा है कि सभी के लिए ऊर्जा को अधिक सुलभ और सस्ती बनाने के वास्ते भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर को गंभीरता से विकसित करने की जरूरत है। प्रोफेसर शर्मा ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2020 में सस्टेनेबिलिटी पर आयोजित एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अदाणी ग्रुप उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रारंभिक चरणों से ही सुपर क्रिटिकल टेक्नोलॉजी में निवेश कर रहा है। उनके ग्रुप का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण है और सभी के लिए ऊर्जा को सुलभ और सस्ती बनाने के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऊर्जा न केवल सस्ती और सुलभ होनी चाहिए, बल्कि इसे तेजी से स्वच्छ बनाना होगा। जिस तरह से ऊर्जा का उत्पादन और उपभोग हो रहा उसमें पहले ही बड़ा परिवर्तन हो रहा है और अदाणी ग्रुप में सभी इस परिवर्तन के मानवीय पहलू से परिचित हैं। उन्होंने कहा ''हम बिजनेस को देखते हुए सस्टेनेबिलिटी पर मजबूती से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं तथा सस्टेनेबिलिटी और एंटरप्राइज वैल्यू के बीच एक मजबूत संबंध है। हम पहले से ही ऐसे रास्ते तलाश रहे हैं जो साफ-सुथरे तथा टिकाऊ हों, रिन्यूएबल एनर्जी में हमारा मजबूत पोटफोलियो इसका एक प्रमाण है।'' प्रोफेसर शर्मा ने कहा कि अदाणी ग्रुप ने एक मजबूत रिन्यूएबल पोटफोलियो का निर्माण करके पेरिस प्रतिबद्धताओं को साकार करने की भारत की वैश्विक भूमिका को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ऐसी नजर आएगी मुंबई-अहमदाबाद के बीच दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन, जापानी दूतावास ने शेयर की तस्वीरें

बिजनेस डेस्क: भारत के पहले बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को रफ्तार मिलती दिख रही है। भारत में स्थित जापानी दूतावास ने हाल ही में बुलेट ट्रेन की आधिकारिक तस्वीरें जारी की हैं। इस प्रोजेक्ट के तैयार होने के बाद मुंबई से अहमदाबाद की दूरी को महज 2 घंटे में पूरा किया जा सकेगा। बता दें कि पांच पांच साल पहले भारत सरकार ने 508 किमी लंबे मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए मंजूरी दी थी। शुक्रवार को भारत स्थित जापानी दूतावास ने ट्रेन की तस्वीरें शेयर करत हुए कहा कि इस ट्रेन में बदलाव किए जाएंगे ताकि इसका उपयोग मुंबई अहमदाबाद हाईस्पीड रेल प्रोजेक्ट में रॉलिंग स्टॉक यानी रेलवे में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियां और वैगन के तौर पर किया जा सके। यह ट्रेन भारतीय रेल व्यवस्था को और रफ्तार देगी।

तकनीकी कपड़ों के लिये उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के ढांचे पर काम कर रही सरकार- ईरानी

नयी दिल्ली.

कपड़ा मंत्रालय तकनीकी कपड़ों और मानव निर्मित कपड़े के लिये उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की रुपरेखा तैयार कर रहा है। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को यह भी कहा कि नई कपड़ा नीति जल्द जारी होगी। पिछली राष्ट्रीय कपड़ा नीति दो दशक पहले लाई गई थी। स्मति ईरानी वाणिज्य एवं उद्योग मंडल एसोचैम के स्थापना सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थी। स्मृति ईरानी कपड़ा मंत्रालय के साथ ही महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का भी कामकाज देख रही हैं। उन्होंने कहा, ''हम नई कपड़ा नीति जल्द जारी करने पर काम कर रहे हैं। इससे पहले दो दशक हो चुके हैं जब कपड़ा नीति लाई गई थी।'' भारतीय उद्योग पर कृषि क्षेत्र के सुधारों के प्रभाव का उल्लेख करते हुये ईरानी ने कहा, ''भारत सरकार ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ यह सुनिश्चित किया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत खरीद कार्य प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुये आगे बढ़ाया जाये। जो भी एमएसपी के परिचालन में भागीदारी करता है उसे धन की प्राप्ति सीधे उसके बैंक खाते में प्राप्त हो।'' उन्होंने कहा, ''वर्ष 2013- 14 में कपास के मामले में एमएसपी के तहत केवल 90 करोड़ रुपये की खरीदारी की गई थी जबकि पिछले साल कपास की 28,500 करोड़ रुपये की खरीदारी की गई । वहीं चालू सत्र के दौरान कपास क्षेत्र में 14,659 करोड़ रुपये का खरीद कार्य हो चुका हो चुका है और देश में कपास का उत्पादन करने वाले 9.63 लाख किसानों के बैंक खाते में सीधे 11,799 करोड़ रुपये का हस्तांतरण किया जा चुका है। यह काम केवल दो महीने में किया गया है।'' ईरानी ने कहा कि इससे तात्पर्य यह है कि जब हम नीतिगत सुधारों पर गौर करते हैं तो आत्मनिर्भर भारत जैसे विचार को लेकर आगे बढ़ते हुये सीमित दायरे वाले अलग अलग खांचों में रहकर सफलता हासिल नहीं की जा सकती है। कृषि सुधारों की बात करते हुये उन्होंने कहा कि जब किसी एक क्षेत्र में सुधार किये जाते हैं.

भारतनेट के तहत दिए गए ठेकों के खिलाफ याचिका, न्यायालय ने केंद्र से मांगा जवाब

नयी दिल्ली, दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को भारतनेट परियोजना के तहत देश भर के गांवों में वाईफाई एक्सेस प्वाइंट लगाने का ठेका कॉमन सर्विस सेंटर ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (सीएससी) को निविदा प्रक्रिया का पालन किए बिना देने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और केंद्रीय सतर्कता आयोग से जवाब मांगा। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने संचार तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सीवीसी, सीएससी और भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (बीबीएनएल) को नोटिस जारी किया और स्वयंसेवी संगठन टेलीकॉम वॉचडॉग की याचिका पर उनसे अपना पक्ष रखने को कहा। एनजीओ की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने अदालत को बताया कि सीएससी एक विशेष उद्देश्य के लिए बनाई गई कंपनी (एसपीवी) है। इसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत ई-प्रशासन सेवाएं देने के लिए बनाया था। अधिवक्ता प्रणव सचदेवा और जतिन भारद्वाज के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया कि सीएससी एसपीवी एक निजी कंपनी है, लेकिन कथित तौर पर नामांकन के आधार पर अनुबंध पाने के लिए उसने खुद को सरकारी संस्था के रूप में पेश किया। एनजीओ ने आगे आरोप लगाया है कि सरकार से अनुबंध पाने के बाद सीएससी एसपीवी ने इसे अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सीएससी वाईफाई चौपाल सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दे दिया, जिसने उसके बाद विभिन्न निजी कंपनियों के साथ बिना किसी निविदा के अनुबंध किए।

विदेशी कोषों की खरीदारी जारी, सेंसेक्स, निफ्टी का फिर नया रिकॉर्ड

मुंबई,

विदेशी कोषों की खरीदारी का सिलसिला जारी रहने के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त दर्ज हुई तथा सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में लाभ से बाजार धारणा को बल मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान 47,026.02 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर गया। अंत में सेंसेक्स 70.35 अंक या 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,960.69 अंक पर बंद हुआ, जो इसका नया रिकॉर्ड है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 19.85 अंक या 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 13,760.55 अंक के अपने नए रिकॉर्ड पर बंद हुआ। एक्सेंचर पीएलसी के उम्मीद से बेहतर नतीजों से आईटी शेयर चमक में रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस का शेयर सबसे अधिक 2.64 प्रतिशत चढ़ गया। बजाज ऑटो, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, टाइटन, एशियन पेंट्स और टीसीएस के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, ओएनजीसी, एचडीएफसी बैंक, मारुति, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल के शेयरों में 3.30 प्रतिशत तक की गिरावट आई। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 861.68 अंक या 1.86 प्रतिशत तथा निफ्टी 246.70 अंक या 1.82 प्रतिशत के लाभ में रहा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की खरीदारी का सिलसिला जारी है। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों कें अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 2,355.25 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इस महीने एफपीआई प्रत्येक कारोबारी सत्र में शुद्ध लिवाल रहे हैं। नवंबर में एफपीआई ने 60,358 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश किया था। रिलायंस सिक्योरिटीज के प्रमुख-रणनीति विनोद मोदी ने कहा कि बैंकिंग शेयरों में सुधार से घरेलू शेयर बाजार दिन के निचले स्तर से उबरकर लाभ में बंद हुए। उन्होंने कहा, ''आईटी सूचकांक का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। कई आईटी शेयरों में जबर्दस्त खरीदारी देखने को मिली। एक्सेंचर के उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन की वजह से आईटी शेयर मांग में रहे।'' उन्होंने कहा कि विदेशी कोषों के रिकॉर्ड प्रवाह से इस समय बाजार को समर्थन मिल रहा है। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशक शुद्ध बिकवाल हैं। ''कंपनियों की आमदनी में सुधार की उम्मीद, टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर संतोषजनक प्रगति और कोविड-19 संक्रमण से पीड़ित लोगों में सुधार की दर बढ़ने तथा कमजोर डॉलर की वजह से भी भारतीय शेयर एफपीआई का निवेश आकर्षित कर रहे हैं।'' हालांकि, व्यापक बाजार रुख के उलट बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में 0.35 प्रतिशत तक की गिरावट आई। अन्य एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहा। वहीं चीन के शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग के हैंगसेंग और जापान के निक्की में गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख था। इस बीच, वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.35 प्रतिशत के नुकसान से 51.32 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ 73.56 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

रेनो के वाहन जनवरी से 28,000 रुपये तक महंगे होंगे

नयी दिल्ली, वाहन कंपनी रेनो इंडिया ने अगले महीने से अपने समूची मॉडल श्रृंखला की कीमतों में 28,000 रुपये तक की वृद्धि की घोषणा की है। कंपनी भारतीय बाजार में क्विड, डस्टर और ट्राइबर मॉडलों की बिक्री करती है। कंपनी ने कहा कि उसके विभिन्न संस्करणों और उत्पादों में मूल्यवृद्धि भिन्न-भिन्न होगी। रेनो इंडिया ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उत्पादन लागत बढ़ने की वजह से उसे यह कदम उठाना पड़ रहा है। महामारी के दौरान इस्पात, एल्युमीनियम, प्लास्टिक और अन्य संबंधित लागत बढ़ी हैं जिसके चलते उसे भी कीमतों में वृद्धि करनी पड़ रही है। मारुति सुजुकी इंडिया, फोर्ड इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी वाहन कंपनियां भी जनवरी से अपने वाहनों के दाम में बढ़ोतरी की घोषणा की चुकी हैं।

रेलवे का 2030 तक 45% माल ढुलाई का हिस्सा कब्जाने का लक्ष्य: रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली:

रेलवे माल ढुलाई के क्षेत्र में बेहतर बुनियादी सुविधाओं और कारोबार विकास योजना के बल पर अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर काम कर रहा है। इससे रेलवे को 2030 तक माल ढुलाई क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी मौजूदा 27 प्रतिशत से बढ़कर 45 प्रतिशत तक पहुंच जाने की उम्मीद है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन वी के यादव ने शुक्रवार को यह कहा। यादव ने कहा रेलवे ने 2019 की समाप्ति पर वर्ष के दौरान कुल 470 करोड़ टन माल ढुलाई में से केवल 121 करोड़ टन माल की ही ढुलाई की लेकिन 2024 के अंत तक उसकी कुल 640 करोड़ टन माल ढुलाई में से 202.40 करोड़ टन माल की ढुलाई करने की योजना है। इससे वर्ष 2030 तक रेलवे 45 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। यादव ने कहा कि राष्ट्रीय रेल योजना के दृष्टिकोण 2024 के तहत रेलवे अपनी विभिन्न ढांचागत सुविधाओं का विस्तार करेगा और उन्हें मजबूत बनाएगा ताकि 2024 तक 202.40 करोड़ टन माल ढुलाई का लक्ष्य हासिल किया जा सके। इस लक्ष्य को पाने के लिए रेलवे 16,373 किलोमीटर नेटवर्क में एक से अधिक रेलवे लाइन बिछाएगा। करीब 58 सुपर क्रिटिकल परियोजना को पूरा करेगा, वहीं 68 क्रिटीकल परियोजनाओं और 46 अधिक भीड़भाड़ नेटवर्क वाली 46 परियोजनाओं को पूरा करेगा। इसके अलावा 32 अन्य जयरी परियोजनाओं को भी पूरा किया जाएगा। यादव ने कहा, ''राष्ट्रीय रेल योजना का अंतिम मसौदा तैयार है और जल्द ही इसे संबद्ध पक्षों को उनके विचार जानने के लिए भेज दिया जाएगा। इसके बाद एक माह के समय में हम इसे अंतिम रूप दे सकेंगे। योजना के तहत माल ढुलाई में हम अपनी हिस्सेदारी को 2030 तक मौजूदा 27 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।'' रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने कहा कि रेलवे कोयला खदानों से संपर्क वाली 20 अतिरिक्त परियोजनाओं को पूरा करने वाला है और दिसंबर 2023 तक रेलवे विद्युतीकरण की 146 परियोजनाओं को पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर राज्यों में संपर्क की 288 किलोमीटर की परियोजनाओं को 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा जबकि उधमपुर- रीनगर- बारामुला की शेष 111 किलोमीटर की रेल लाइन परियोजना को दिसंबर 2022 तक पूरा कर लिया जाएगा। यादव ने कहा कि रेलवे के विजन 2024 में नई दिल्ली से हावड़ा और नई दिल्ली से मुंबई रेल मार्गों पर रेलगाड़ियों की गति बढ़ाकर 160 किलोमीटर प्रति घंटा किए जाने की भी योजना शामिल है। इसके साथ ही स्वर्ण चतुर्भुज (जीक्यू) और स्वर्णिम कोणीय (जीडी) मार्ग पर 130 किलोमीटर प्रतिघंटा तक बढ़ाने की योजना है। रेलवे

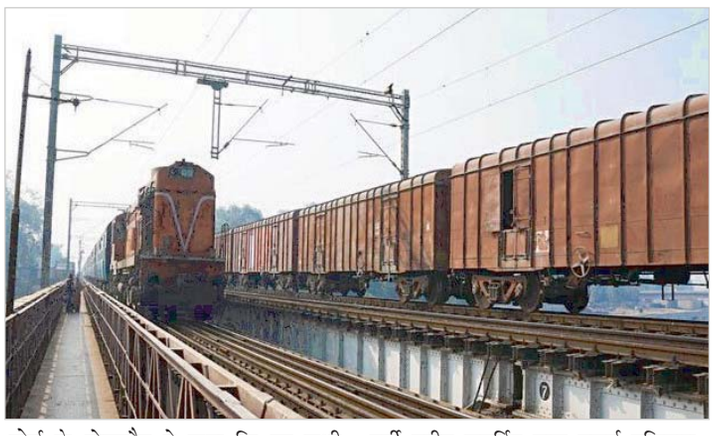

बोर्ड के चेयरमैन ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं पर कुल 2.90 लाख करोड़ रुपए का पूंजी व्यय होने का अनुमान है। राष्ट्रीय रेल योजना में माल ढुलाई को समर्पित तीन गलियारों की परियोजना भी शामिल हैं जिनकी कुल लंबाई 3,958 किलोमीटर होगी। इसमें खड़गपुर से विजयवाड़ा तक 1,115 किलोमीटर का पूर्वी तटीय समर्पित माल ढुलाई गलियारा, 1,868 किलोमीटर का पूर्वी- पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारा (भुसावल- नागपुर- खड़गपुर-राजखरसावन- अंडल-दानकुनी) शामिल है। तीसरी योजना 975 किलोमीटर की उत्तर- दक्षिण मालढुलाई गलियारा शामिल है जो कि इटारसी- नागपुर- विजयवाड़ा के बीच होगी।

वेंकैया नायडू ने सोशल मीडिया कंपनियों और परंपरागत मीडिया के बीच राजस्व साझेदारी पर जो दिया

बेंगलुरु.

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को प्रौद्योगिकी आधारित सोशल मीडिया कंपनियों और परंपरागत मीडिया के बीच राजस्व साझेदारी पर आधारित सहयोग का व्यावसायिक मॉडल तैयार करने के लिए प्रभावी दिशानिर्देशों और कानून की जरूरत को रेखांकित किया। गौरतलब है कि परंपरागत मीडिया संस्थान कमाई के लिए जूझ रहे हैं। नायडू ने एम वी कामथ स्मृति व्याख्यान के छठे संस्करण में कहा, ''प्रिंट मीडिया द्वारा पर्याप्त लागत के साथ तैयार की गई सूचना रिपोर्ट को सोशल मीडिया दिग्गजों द्वारा हड़पा जा रहा है।

यह अनुचित है।''

इस कार्यक्रम का आयोजन मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन ने किया था, जिसमें नायडू वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पारंपरिक प्रिंट मीडिया ईमानदारी से ऑनलाइन होकर तकनीकी को अपना रहा है, लेकिन उसे एक व्यवहार्य राजस्व मॉडल के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ देश प्रिंट मीडिया के लिए सोशल मीडिया दिग्गजों के साथ राजस्व साझेदारी सुनिश्चित करने के उपाय कर रहे हैं। नायडू ने जोर देकर कहा कि हमें इस समस्या पर भी गंभीरता से विचार करने और प्रभावी दिशानिर्देश तथा कानून बनाने की जरूरत है ताकि प्रिंट मीडिया को प्रौद्योगिकी कंपनियों से राजस्व में अपना हिस्सा मिल सके। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विज्ञापन से आमदनी एक मीडिया संगठन को चलाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रौद्योगिकी के कारण पैदा हुए व्यवधान के चलते मीडिया पर गंभीर असर पड़ा है और उन्हें गंभीर दबाव का सामना करना पड़ रहा है। नायडू ने कहा, ''प्रौद्योगिकी दिग्गज सूचना के द्वारपाल के रूप में उभरे हैं।'' उन्होंने पारंपरिक मीडिया पर सोशल मीडिया के प्रभाव की व्याख्या करते हुए कहा कि वेब सूचना और समाचार के प्रसार का मुख्य साधन बनकर उभरा है। सोशल मीडिया के युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी ही चाहिए, लेकिन इसमें स्व-नियमन और प्रोटोकॉल भी जरूरी है।

ट्विटर 20 जनवरी से खातों के सत्यापन की प्रक्रिया फिर शुरू करेगी

नयी दिल्ली.

ट्विटर ने 20 जनवरी से खातों के सत्यापन की प्रक्रिया फिर शुरू करने की घोषणा की है। इससे सक्रिय और सही उपयोक्ता खातों में 'नीले रंग का सत्यापित बैज' लगाया जाएगा।

नयी प्रक्रिया के तहत माइक्रोब्लॉगिंग मंच निष्क्रिय और अधूरे खातों से सत्यापित बैज या चिह्न हटाने की कार्रवाई भी करेगा।

ट्विटर ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह 2021 की शुरुआत में खातों के सत्यापन की प्रक्रिया नए सिरे से शुरू करेगी। अपनी सत्यापन नीति के मसौदे पर ट्विटर ने आम लोगों से 24 नवंबर से आठ दिसंबर के दौरान प्रतिक्रियाएं मांगी थीं। कंपनी ने करीब तीन साल पहले अपने सार्वजनिक सत्यापन कार्यक्रम को रोक दिया था। कंपनी का कहना था कि लोगों को लगता है कि यह प्रक्रिया मनमानी है और इससे काफी असमंजस होता है।

ट्विटर ने ब्लॉगपोस्ट में कहा, ''सार्वजनिक प्रतिक्रिया के दो सप्ताह के दौरान हमें 22,000 से अधिक सर्वे प्रतिक्रियाएं मिलीं। इससे हमने यह सीखा है कि हम अपनी नीति में कैसे सुधार कर सकते हैं। हम इस नीति का प्रवर्तन 20 जनवरी, 2021 से शुरू करेंगे। उसी दिन से हम स्वतंत्र तरीके से निष्क्रिय और अधूरे खातों से सत्यापित बैज को हटाना भी शुरू करेंगे।''

ट्विटर ने कहा कि नयी नीति से भविष्य में सुधार की बुनियाद तैयार होगी। यह सत्यपान को परिभाषित करेगी। इससे पता चलेगा कि कौन सत्यापन के पात्र है। इस कार्यक्रम को अधिक समानता वाला बनाने के लिए कुछ खातों का सत्यापन समाप्त होगा।

सिस्को की कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप प्रतिस्पर्धा, विजेता को मिलेंगे दो करोड़ रुपये

नयी दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी सिस्को इंडिया ने नवोन्मेषी समाधान वाले कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की खोज के लिए एक प्रतिस्पर्धा शुरू की है। इसमें विजयी होने वाले स्टार्टअप को दो करोड़ रुपये का पुरस्कार मिलेगा। कंपनी ने एक बयान में शुक्रवार को कहा कि 'सिस्को एग्री चैलेंज' उसके कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का हिस्सा है। इसके सह-आयोजक के. विजय राघवन हैं जो भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार हैं। कंपनी ने कहा कि इस प्रतिस्पर्धा का खाका गैर-सरकारी संगठन 'द नज सेंटर फॉर सोशल इनोवेशंस' ने तैयार किया है। वही इसका प्रबंधन भी कर रहा है। बयान के मुताबिक महीनों में विभिन्न चरण से गुजरने वाली इस प्रतिस्पर्धा के विजेता को दो करोड़ रुपये का इनाम मिलेगा। इस रकम का उपयोग प्रतिभागी देश में कम आय और लाभ से जूझ रहे किसानों के मुद्दों के समाधान का स्तर बढ़ाने, उबरने में उनकी मदद करने, प्रौद्योगिकी के विकास एवं परीक्षण इत्यादि में कर सकेंगे। विजय राघवन ने कहा, '' इस तरह का विविध और बहु-हितधारकों की साझेदारी वाला यह प्रयास कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप करने में उत्प्रेरक की भूमिका अदा करेगा। अंततः यह किसानों की उत्पादकता बढ़ाने और उनकी आय दोगुना करने वाला होगा।''

रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ 73.56 पर बंद

मुंबई.

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लगातार निवेश और घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच रुपये की विनिमय दर शुक्रवार को तीन पैसे की बढ़त के साथ 73.56 प्रति डालर पर बंद हुई। मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अन्य विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से भी रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार प्रति डॉलर 73.55 रुपये पर खुला। दिन में कारोबार के दौरान दर 73.49-73.57 के बीच रही।कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे की बढ़त लेकर 73.56 पर बंद हुआ। बृहस्पतिवार को बंद के समय विनिमय दर 73.59 रुपये प्रति डालर थी। इस बीच अन्य छह वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला सूचकांक 0.20 प्रतिशत की बढ़त लेकर 90.00 अंक पर रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग की उपाध्यक्ष (धातु, ऊर्जा और मुद्रा शोध) सुगंधा सचदेव ने कहा, '' डॉलर के मूल्य में कमी और शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों के पैसे डालने से रुपय को मजबूती मिली है।'' घरेलू शेयर बाजारों में बीएसई सेंसेक्स 70.35 अंक यानी 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,960.69 अंक पर और एनएसई निफ्टी 19.85 अंक यानी 0.14 प्रतिशत बढ़कर 13,760.55 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजारों के आरंभिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 2,355.25 करोड़ रुपये की खरीद की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल 0.21 प्रतिशत गिरकर 51.39 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

» एडिलेड टेस्ट के दूसरे दिन का खेल में टीम इंडिया ने ली 53 रन की बढ़त...

भारतीय गेंदबाजों के सामने घुटने टेके कंगारुओं ने

एडीलेड। (एजेंसी)।

ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (55 रन देकर चार विकेट) की कमाल की फिरकी तथा तेज गेंदबाजों उमेश यादव (40 रन देकर तीन विकेट) और जसप्रीत बुमराह (52 रन देकर दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहले दिन-रात्रि टेस्ट से दूसरे दिन शुक्रवार को 191 रन पर समेट कर पहली पारी में 53 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली।

गुलाबी गेंद से खेले जा रहे इस मुकाबले में भारत ने पहली पारी में 244 रन बनाए थे जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम 191 रन पर सिमट गयी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कप्तान टिम पेन ने सर्वाधिक नाबाद 73 रन बनाए। भारत को इस मुकाबले में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हुई है जबकि एक समय लग रहा था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम मैच पर हावी है लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने सुबह पहली पारी में छह विकेट पर 233 रन से आगे खेलते हुए 244 रन पर सिमट जाने के बाद शानदार वापसी की और कंगारुओं को लगातार बैकफुट पर रखा।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पेन ने एकतरफा संघर्ष करते हुए कंगारुओं की पारी को संभालने की कोशिश और 99 गेंदों में 10 चौकों की मदद से नाबाद 73 रन बनाए। पेन के अलावा मार्नस लबुशेन ने 119 गेंदों में सात चौकों के सहारे 47 रन बनाए। इन दो बल्लेबाजों के अलावा ऑस्ट्रेलिया का अन्य कोई बल्लेबाज करिश्मा नहीं कर सका।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में मिशेल स्टार्क ने 15, कैमरुन ग्रीन ने 11, नाथन लियोन ने 10 और पूर्व कप्तान स्टीवन स्मिथ ने एक रन बनाए। भारत की ओर से अश्विन ने 18 ओवर में 55 रन देकर चार विकेट, उमेश ने 16.1 ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट और बुमराह ने 21 ओवर में 52 रन देकर दो विकेट लिया जबकि मोहम्मद शमी 17 ओवर में 41 रन देकर खाली हाथ रहे।

पिंक बॉल से बुमराह की शानदार शुरूआत, दो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को भेजा पवेलियन

एडीलेड। जसप्रीत बुमराह ने शानदार शुरूआती स्पैल में ऑस्ट्रेलिया के दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया जिससे पहले क्रिकेट टेस्ट में भारत के पहली पारी के 244 रन के जवाब में मेजबान का दूसरे दिन पहले सत्र के बाद स्कोर दो विकेट पर 35 रन था। जो बर्न्स 41 गेंद में आठ और मैथ्यू वेड 51 गेंद में आठ रन बनाकर बुमराह का शिकार हुए। बुमराह ने आठ ओवर में आठ रन देकर दो विकेट लिये। दोनों फैसले भारत द्वारा लिये गए डीआरएस पर हुए। मार्नस लाबुशेन 15 गेंद पर 16 रन बनाकर खेल रहे हैं जिन्हें बुमराह की गेंद पर रिधिमान साहा ने विकेट के पीछे जीवनदान दिया।

इसके अलावा मोहम्मद शमी की गेंद पर फाइन लेग में बुमराह ने भी उनका कैच छोड़ा। ब्रेक के समय लाबुशेन के साथ स्टीव स्मिथ एक रन बनाकर खेल रहे थे। वेड ने बुमराह की गेंद मिडविकेट पर खेलने की कोशिश की लेकिन वह उनके पैड पर लगी। दूसरी ओर खराब फार्म से जूझ रहे बर्न्स को उन्होंने फुललैंग्थ गेंद पर आउट किया। इससे पहले भारतीय टीम पहली पारी में 244 रन पर आउट हो गई। मिशेल स्टार्क ने 53 रन देकर चार और पैट कमिंस ने 48 रन देकर तीन विकेट लिये। भारत के आखिरी चार बल्लेबाज कल के स्कोर में 11 रन जोड़कर ही आउट हो गए।

पीवी सिंधू ने की SAI से निजी ट्रेनर और फिजियो की मांग, स्वीकार की गई मांग

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने ओलंपिक रजत पदक विजेता पीवी सिंधू की अगले साल जनवरी में तीन टूर्नामेंटों के लिए निजी फिजियो और ट्रेनर की मांग को स्वीकार कर लिया। विश्व चैम्पियन 26 साल की सिंधू 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' के कोर समूह की हिस्सा है। वह कोविड-19 के कारण खेल में आई रूकावट के बाद जनवरी में प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन में वापसी करेंगी।

साइ की विज्ञप्ति के मुताबिक, '' सरकार ने तीन टूर्नामेंटोंके लिए फिजियो और फिटनेस ट्रेनर मुहैया करने की उनकी मांग मान ली है।। ये तीन टूर्नामेंट योनेक्स थाईलैंड ओपन (जनवरी 12-17), टोयोटा थाईलैंड ओपन (19-24 जनवरी) और बैंकाक में 27 से 31 जनवरी तक खेले जाने वाले विश्व टूर फाइनल्स (क्वालीफिकेशन हासिल करने पर) है। उन्होंने बताया, ''इन दौरान फिजियो और ट्रेनर रखने का खर्च लगभग 8.25 लाख रूपये आयेगा, जिसकी मंजूरी दे दी गयी है।''

हैदराबाद की यह खिलाड़ी फिलहाल लंदन में 'गैटोरेड स्पोर्टस साइंस इंस्टीट्यूट में स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट रेबेका रैंडेल की देख रेख में फिटनेर पर काम करने के साथ बैडमिंटन इंग्लैंड के टॉबी पेंटी और राजीव ऑपेश के साथ नेशनल ट्रेनिंग सेंटर में अभ्यास कर रही है। उन्होंने अक्टूबर में खेले गये डेनमार्क ओपन से अपना नाम वापस ले लिया था। बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) ने लॉजिस्टिक मुद्दों के कारण 2020 विश्व टूर के लिए फिर से नया कार्यक्रम बनाया है जिसमें एशियाई चरण के दो बड़े टूर्नामेंटों के अलावा विश्व टूर फाइनल्स को जनवरी में खेला जाएगा।

पहले टी20 मैच में पाकिस्तान को मिली हार, न्यूजीलैंड ने 5 विकेट से दी मात

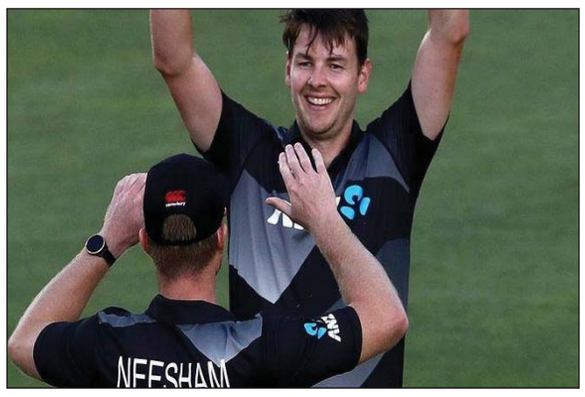

आकलैंड। (एजेंसी)।

तेज गेंदबाज जैकब डफी ने न्यूजीलैंड के लिये पदार्पण करते हुए 33 रन देकर चार विकेट हासिल किये जिससे मेजबान टीम ने शुक्रवार को पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टी20 क्रिकेट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत दर्ज की। डफी के शानदार प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने 39 रन देकर पाकिस्तान के पांच विकेट झटक लिये थे और उसे नौ विकेट पर 153 रन बनाने दिये जिसने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने सात गेंद रहते जीत हासिल की। सलामी बल्लेबाज टिम सेफर्ट (57 रन) ने अपना चौथा टी20 अर्धशतक जमाया। मार्क चैपमैन ने 34 रन का योगदान किया, वहीं मिशेल सैंटनर अंत में 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

ओटागो प्रांत के डफी अपने गेंदबाजी एक्शन से स्विंग और उछाल हासिल करते हैं, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी चौथी गेंद में पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे ओवर की पांचवीं और छठी गेंद में दो और विकेट चटकाये। हालांकि वह हैट्रिक से चूक गये। 18वें ओवर में उन्होंने पाकिस्तानी कप्तान शादाब खान (42 रन) के रूप में लिया और उस समय उन्होंने 13 रन देकर चार विकेट हासिल कर लिये थे। डफी के अलावा न्यूजीलैंड के साथी तेज गेंदबाजों स्कॉट कुगेलेजिन और ब्लेयर टिकनर ने फुल लेंथ गेंद से और उछाल से पाकिस्तानी बल्लेबाजों को परेशान किया जिससे पाकिस्तान के शीर्ष क्रम ने अपने विकेट सस्ते में गंवा दिये। न्यूजीलैंड ने भी अपने दो विकेट जल्दी ही गंवा दिये थे जिससे उसका स्कोर दो विकेट पर 21 रन हो गया। इसके बाद सेफर्ट और ग्लेन फिलिप्स (23) ने पारी को संभाला। सेफर्ट और मार्क चैपमैन (34) ने फिर 55 रन जोड़े।

कोरोना के बढ़ रहे मामले को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दिया बड़ा बयान

मेलबर्न। (एजेंसी)

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा कि सिडनी में कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों के बीच बॉर्डर . गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट को कोई खतरा नहीं है हालांकि हालात पर नजर रखी जा रही है। सिडनी में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के 28 मामले सामने आये। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट यहां सात जनवरी से खेला जाना है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अंतरिम मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा ,'' हम अपने चिकित्सा विशेषज्ञों के संपर्क में हैं। हमने अपने खिलाड़ियों को पूरे सत्र में बायो बबल में ही रखा है। हम हालात पर नजर रखे हुए हैं लेकिन कोई घबराहट नहीं है। ''

यह पूछने पर कि क्या सिडनी में टेस्ट को लेकर कोई अनिश्चितता है, उन्होंने कहा ,'' मुझे नहीं लगता। इसी के लिये तो हमने बायो बबल बनाये हैं।महिला बिग बैश लीग, बिग बैश लीग, बीसीसीआई और आस्ट्रेलियाई टीम ने सभी प्रोटोकॉल का बखूबी पालन किया है।'' सिडनी में नये मामलों को देखते हुए आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज और फॉक्स क्रिकेट के कमेंटेटर ब्रेट ली ने उत्तरी सिडनी स्थित अपने घर लौटने का फैसला किया। प्रसारक टीम के दो सिडनी के रहने वाले सदस्य भी लौट गए।

योग पर खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला! योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल में किया शामिल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

खेल मंत्रालय ने गुरूवार को योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में औपचारिक तौर पर मान्यता दे दी जिससे इसे सरकारी सहायता मिल सकेगी। खेल मंत्री किरेन रीजीजू और आयुष (आयुर्वेद, योग , नैचुरोपैथी, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी) मंत्री श्रीपाद येस्सो नाईक ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में मान्यता दी। रीजीजू ने कहा ,'' योगासन लंबे समय से प्रतिस्पर्धी खेल है। लेकिन इसे भारत सरकार से मान्यता मिलने की जरूरत थी ताकि यह आधिकारिक और मान्य प्रतिस्पर्धी खेल बन सके।'' उन्होंने कहा ,'' आज बड़ा दिन है और हम इसे प्रतिस्पर्धी खेल के तौर पर औपचारिक रूप से लांच कर रहे हैं। '' पिछले साल योग गुरू बाबा रामदेव की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ का भी गठन किया गया था। डॉक्टर एच आर नागेंद्र इसके महासचिव हैं।

भारतीय राष्ट्रीय योगासन खेल महासंघ का भी गठन किया गया जिसे पिछले महीने खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघ के तौर पर मान्यता दी। रीजीजू ने कहा कि खेल मंत्रालय इस राष्ट्रीय महासंघ को वित्तीय सहायता देगा ताकि आने वाले साल के लिये यह योजना बना सके। खेलमंत्री ने कहा कि योगासन को खेलो इंडिया कार्यक्रम का भी हिस्सा बनाया जायेगा। उन्होंने कहा ,'' इसकी लोकप्रियता भारत में बढेगी और इसे खेलो इंडिया स्कूल तथा यूनिवर्सिटी कार्यक्रम में शामिल किया जायेगा।'' प्रतिस्पर्धाओं के लिये चार खेलों और सात वर्गों में 51 पदक प्रस्तावित हैं। इनमें योगासन, कलात्मक योग(एकल व युगल), लयबद्ध योग (एकल, समूह), व्यक्तिगत हरफनमौला चैम्पियनशिप और टीम चैम्पियनशिप शामिल है। अगले साल फरवरी में राष्ट्रीय व्यक्तिगत योगासन खेल चैम्पियनशिप का भी प्रस्ताव है।

नाथन लियोन भारत के लिए काफी खतरनाक साबित होंगे : पोंटिंग

मेलबर्न। (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन क्रीज का इस्तेमाल करते हुए जिस तरह से कोण बनाकर गेंदबाजी कर रहे हैं, उससे 4 मैचों की टेस्ट श्रृंखला में वह भारत के खिलाफ काफी खतरनाक साबित होंगे।

33 साल के इस गेंदबाज ने श्रृंखला की शुरुआती टेस्ट के पहले दिन भारत के खिलाफ 21 ओवर में 68 रन देकर 1 विकेट लिया। पोंटिंग ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, 'मुझे लगता है कि भारत के खिलाफ वह किसी अन्य स्पिनर की तरह ही सफल है। उन्होंने टेस्ट में किसी अन्य गेंदबाज की तुलना में कोहली को अधिक बार आउट किया है। उन्होंने (पहली पारी में) पुजारा को काफी परेशान किया।'

उन्होंने कहा, 'जब दांए हाथ के बल्लेबाज उनका सामना करते है तो उन्हें अधिक स्पिन प्राप्त हो रहा है और नजदीकी क्षेत्ररक्षकों की मौजूदगी से लगता है कि वे (बल्लेबाज) हर गेंद पर आउट हो सकते है।' ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल टेस्ट कप्तान ने कहा, 'वह दबाव बनाते है और बहुत कम कमजोर गेंद फेंकते है। वह भारत के लिए बड़ा खतरा होंगे।'

टेस्ट में 96 मैचों में 390 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने क्रीज के बाहरी छोर से गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों, खासकर पुजारा को परेशान किया। पोंटिंग ने कहा, 'उनकी इस योजना से गेंद बल्ले के दोनों किनारों पर लग सकती है। इससे बल्ले और फिर पैड पर लगकर कैच होने का खतरा बना रहता है। अगर आपको अधिक उछाल मिलती है तो पुजारा की तरह लेग स्लिप पर भी कैच आउट कर सकते है।'

मार्कस रशफोर्ड के दमदार 2 गोल से मैनचेस्टर सिटी ने शेफील्ड को हराया

शेफील्ड। फीफा पुरस्कारों में'मैदान से बाहर सबसे अधिक प्रभावित करने वाले खिलाड़ी' का पुरस्कार जीतने वाले इंग्लैंड के फुटबॉलर मार्कस रशफोर्ड की दो गोल की मदद से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने गुरूवार को प्रीमियर लीग मैच में शेफील्ड को 3-2 से हराया। डेविड मैकगोल्डरिक (पांचवें और 87वें मिनट में) ने मैच के शुरुआत में ही शेफील्ड को बढ़त दिला दी थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिएरशफोर्ड ने 26वें और 51वें मिनट में दो गोल किये जबकि एंथोनी मार्शल ने 33वें मिनट में गोल किया। इससे पहले कोविड-19 के दौरान गरीब बच्चों मुफ्त भोजन प्रदान करने के अभियान के लिए ब्रिटिश सरकार पर दबाव बनाने के लिए विश्व फुटबॉल की नियामक ईकाई से प्रशंसा पाई।

मेस्सी और रोनाल्डो को पछाड़कर लेवांडोवस्की बने फीफा के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर

जिनेवा। (एजेंसी)।

लियोनेल मेस्सी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दबदबे को तोड़ते हुए पोलैंड के राबर्ट लेवांडोवस्की इस साल फीफा के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए हैं। लेवांडोवस्की ने इस सत्र में 55 गोल करके बायर्न म्युनिख को कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू ट्राफियां जिताई। अंतिम सूची में लेवांडोवस्की के साथ मेस्सी और रोनाल्डो के नाम थे। राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों, कोचों, चयनित पत्रकारों और प्रशंसकों के मतदान के आधार पर विजेता का चयन हुआ। फीफा ने वर्चुअल समारोह का आयोजन ज्यूरिख में किया लेकिन इसके अध्यक्ष जियान्नी इनफांटिनो उन्हें व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार देने म्युनिख गए। इससे पहले 2018 में क्रोएशिया के लूका मोडरिच ने यह पुरस्कार जीता था और 2008 के बाद से मेस्सी या रोनाल्डो के अलावा इन्हीं दोनों को यह पुरस्कार मिला है।

लूसी ब्रोंज सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुनी गई और फीफा पुरस्कारों में इंग्लैंड का यह पहला व्यक्तिगत पुरस्कार है।लियोन के साथ चैम्पियंस लीग जीत चुकी लूसी अब मैनचेस्टर सिटी के लिये खेलती है। वर्ष 2008 के बाद से यह पुरस्कार जीतने वाले लेवांडोवस्की स्पेन के किसी क्लब से इतर पहले खिलाड़ी हैं। 2008 में रोनाल्डो ने मैनचेस्टर युनाइटेडके खिलाड़ी के रूप में पुरस्कार जीता था। बायर्न म्युनिख का कोई खिलाड़ी 1991 में इस पुरस्कार की स्थापना के बाद से इसे जीत नहीं सका है। फ्रेंक रिबेरी 2013 में और मैनुअल नूयेर 2014 मेंतीसरे स्थान पर रहे थे। जर्गेन क्लोप ने सर्वश्रेष्ठ कोच का पुरस्कार जीता जिनके मार्गदर्शन में लीवरपूल ने 30 साल में पहली बार प्रीमियर लीग जीता था। बायर्न के हैंसी फ्लिक दूसरे स्थान पर रहे। नीदरलैंड को 2019 विश्व कप फाइनल जिताने वाली सरीना विएगमैन को सर्वश्रेष्ठ महिला कोच का पुरस्कार मिला जो अगले साल इंग्लैंड की कोच बनेंगी।

नेपाल को मिल गया श्रीलंका को 1996 क्रिकेट विश्वकप जिताने वाला कोच

काठमांडू। श्रीलंका के 1996 विश्वकप विजेता टीम के मुख्य कोच रहे डेव व्हाटमोर को नेपाल क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा, 'डेव इस नयी चुनौती को स्वीकार करने के लिए बेहद उत्सुक हैं।

उनका मानना है कि नेपाल में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देश का बहुत उज्ज्वल भविष्य है।नेपाल एक खुबसूरत देश है और डेव नेपाल के युवाओं के साथ इस नयी चुनौती को स्वीकार करने को तैयार हैं। 'इस वर्ष फरवरी में उमेश पतवाल के इस्तीफे के बाद से नेपाल के मुख्य कोच का पद खाली था।व्हाटमोर ने पाकिस्तान, बंगलादेश और जिम्बांबे की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को भी अपनी सेवाएं दी है।

उनके मार्गदर्शन में बंगलादेश टीम ने 2007 विश्वकप के सुपर ओवर में जगह बनाई थी। उन्होंने केरल को 2018-19 में उसका पहला रणजी खिताब दिलाने में मदद की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रश्मि रॉकेट के लिए तापसी ने झोंक दी अपनी जान

बॉलीवुड में फिल्म भले नयी कहानियों को ढूढ़ने पर इतनी मेहनत का की जाती हो लेकिन बॉलीवुड के कलाकार अपने किरदार को निभाने के लिए काफी मेहनत करते हैं। किरदार में जान डालने के लिए वह अपने आप को हूबहू करैक्टर में डूबा लेते हैं। आमिर खान इस का एक बड़ा उदाहरण है। वह अपनी फिल्मों के लिए जान लगा देते हैं। दंगल के लिए उन्होंने अपने वजन को कई बार बढ़ाया और घटाया। अब कुछ इसी तरह मेहनत अपनी फिल्म के लिए तापसी पन्नू कर रही हैं। तापसी पन्नू अपनी आने वाली फिल्म में धावक की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म का नाम रश्मि रॉकेट है। फिल्म के लिए तापसी काफी ज्यादा मेहनत कर रही हैं अपने शरीर को एक धावक के रुप में ढालने के लिए। जैसा की तापसी ने खुलासा किया है कि वह जिम नहीं करती हैं। उन्होंने योगा से अपने शरीर को मैनटैन किया है। अब फिल्म के लिए उन्हें टोन बॉडी बनानी है जिसके लिए वह काफी वर्कआउट भी कर रही हैं। तापसी इसके साथ–साथ तेज दौड़ने की भी प्रेक्टिस कर रही हैं। तापसी ने सोशस मीडिया पर अपनी एक वीडियो जारी की है। जिसमें उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात की है और अपने किरदार को अपने बचपन की याद से जोड़ा है। तापसी की बचपन की तस्वीरों के साथ वीडियो में वह बताती है कि उन्होंने स्कूल में पहली बार रेस में भाग लिया था और पहली बार में ही वह जीत गयी थी। वीडियो में उन्होंने कहा कि जब में 5वीं क्लास में थी तब दौड़ी और जीती उसके बाद मैंने हर खेल दिवस में हिस्सा लिया और मैं दौड़ती थी। रश्मि रॉकेट में मुझे फिर स्कूल के समय में ले आयी है। यहां भी मुझे दौड़ना है। वीडियो में आप तापसी पन्नू के संघर्ष को भी देखेंगे।

वीडियो को साझा करते हुए, तापसी पन्नू ने लिखा, 'आम लोग अतिरिक्त सामान्य काम करने के लिए होते हैं लेकिन खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तखदीर से पहले खुदा खुद बंदे से पूरे बता देती रजा क्या है!(खुद को इतना मजबूत बनाएं कि हर भाग्य से पहले, भगवान आपसे पूछते हैं कि आपकी इच्छा क्या है)।

अजय देवगन बनाने जा रहें हैं अभय और करण देओल के साथ फिल्म

बॉलीवुड एक्टर और फिल्म निर्माता अजय देवगन ने अपने नये प्रोजेक्ट को लेकर खुलासा किया है कि वह देवल्स को पर्दे पर एक साथ लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अजय एक क्राइम–कॉमेडी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जिसका टाइटल 'वेल्ली' है। फिल्म में अभय देओल और उनके चचेरे भाई करण देओल होंगे। मुंबई मिरर के अनुसार, फिल्म देवेन मुंजा द्वारा निर्देशित की जाएगी, जिन्होंने पहले फिल्म चलते–चलते और ओम शांति ओम जैसी फिल्म को निर्देशन किया है। फिल्म तीन दोस्तों के बारे में है – रॉकी, रेम्बो, राहुल। वेल्ली तेलुगु क्राइम कॉमेडी Brochevarevarura की रीमेक है।

एक सूत्र ने समाचार पोर्टल को बताया, 'वेल्ली तेलुगु क्राइम कॉमेडी, क्क्र्रूश्चद्धद्द1ड्ढ1ड्ढह्वह्ड्ड का आधिकारिक रूपांतर है। अजय ने इस फिल्म को पसंद किया और इसके लिए तुरंत फिल्म के राइट खरीदे, ताकी वह इसे भारतीय दर्शकों तक ले जा सके। फिलहाल यह स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। मेकर्स फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अभय से बातचीत कर रहे हैं। करण ने अपना बॉलीवुड डेब्यू फिल्म पल पल दिल के पास से किया था। पिछले साल रिलीज़ हुई इस फिल्म का निर्देशन उनके पिता सनी देओल ने किया था। पल पल दिल के पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही और 60 करोड़ रुपये के बजट के मुकाबले 10 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। करण हाल ही में घोषित की गयी एप 2 में दादा धर्मेंद्र, चाचा बॉबी देओल और पिता सनी देओल के साथ भी दिखाई देंगे।

विद्युत जामवाल की मूवी 'द पॉवर' का होगा ओटीटी प्रीमियर

विद्युत जामवाल को लेकर निर्माता विजय गलानी ने 'द पॉवर' नामक मूवी बनाई है जो 2020 की गर्मियों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना वायरस के चलते फिल्म की रिलीज अटक गई।

जैसा कि कई प्रोड्यूसर्स ने किया है, विजय ने भी यह मूवी ओटीटी को बेच दी है। ज़ी 5 पर इस फिल्म का जनवरी 2021 में प्रीमियर होगा। इस फिल्म का निर्देशन महेश मांजरेकर ने किया है।

गौरतलब है कि 2020 में विद्युत की 'खुदा हाफिज' और 'यारा' भी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर दिखाई गई थी। 'खुदा हाफिज़' को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर दिखाया गया है और इसे 2019 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखी गई सर्वाधिक फिल्मों की लिस्ट में दूसरा नंबर मिला। पहले नंबर पर अक्षय कुमार की 'लक्ष्मी' है। लेकिन यारा को खास दर्शक नहीं मिले।

'द पॉवर' एक्शन से भरपूर है और इसे 'खुदा हाफिज़' से भी ज्यादा दाम देकर खीदा गया है। फिल्म में श्रुति हासन भी नजर आएंगी।

पापा के साथ घर से बाहर निकली प्रेग्नेंट अनुष्का शर्मा, फिटनेस का रख रही हैं पूरा ध्यान

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा की डिलीवरी होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। जब विराट कोहली ने अनुष्का के मां बनने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी थी तब उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा था कि हम अपने पहले बच्चे की उम्मीद जनवरी में कर रहे हैं। अब दिसंबर बीत रहा है। जल्द ही विराट के घर नन्हा मेहमान आने वाला है। सोशल मीडिया पर अनुष्का शर्मा अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती है। इस दौरान अनुष्का अपनी फिटनेस का भी काफी ध्यान रख रही हैं। अनुष्का प्रेग्नेंसी के दौरान भी काफी एक्टिव हैं।

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा को गुरुवार को मुंबई में देखा गया। अनुष्का शर्मा अपने पिता के साथ बाहर निकली थी। अनुष्का काफी एक्टिव थी। उन्होंने सफेद रंग की मेक्सी ड्रेस पहनी हुई थी। साथ में डेनिम जैकेट के साथ मास्क, और उन्होंने आरामदायक स्नीकर्स पहने हुए थे। पिंक विला के सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें जारी की गयी हैं। विजेद्र चावला ने इसका वीडियो भी जारी किया है। अपने पति विराट कोहली के साथ यूएई में समय बिताने के बाद, अनुष्का हाल ही में मुंबई लौटीं, क्योंकि उन्होंने दुबई में आईपीएल 2020 में हिस्सा लिया था। इस अवधि के दौरान, वह संयुक्त अरब अमीरात से तस्वीरें साझा करती रहीं।

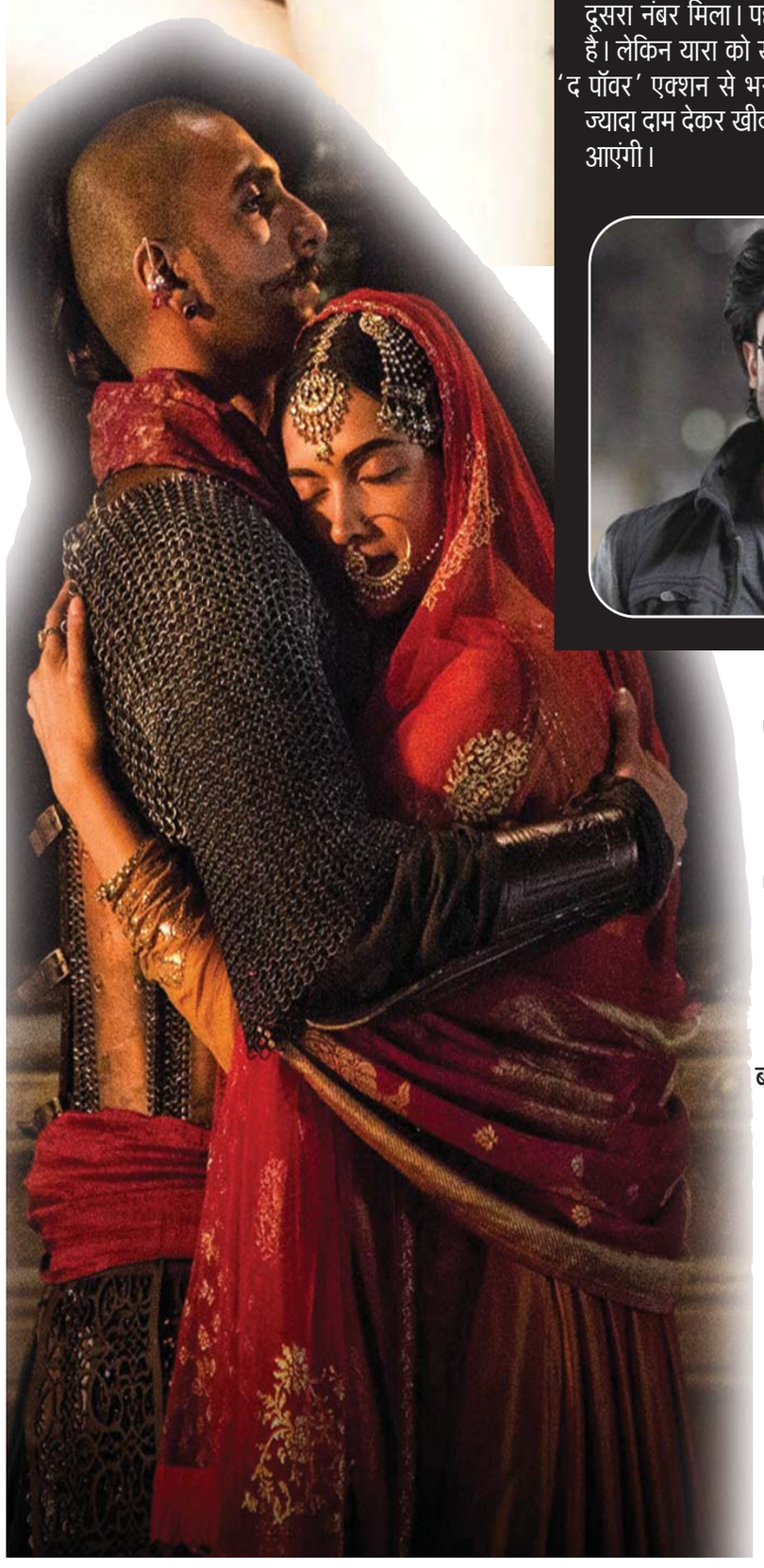

जोड़ियां भले ही ऊपरवाला बनाता हो लेकिन मस्तानी ने बाजीराव को जिंदगीभर के लिए खुद चुना!

बाजीराव ने मस्तानी से मोहब्बत की है अय्याशी नहीं... संजय लीला भंसाली की फिल्म बाजीराव–मस्तानी कि ये लाइने गहरी मोहब्बत को बयां करती है जो पेशवा बाजीराव, अपनी प्रेमिका मस्तानी से करते थे। इतिहास की कुछ कहानियों में ये तो पढ़ा गया है कि एक राजा कई रानियों के साथ शादी करके रह सकता था लेकिन पेशवा बाजीराव ने इश्क को शादी से भी उपर ले जाकर एक नयी परिभाषा दी। बाजीराव और मस्तानी की मोहब्बत दुनिया के लिए मिसाल बनीं। इस मोहब्बत की दास्तां को भी इतिहासकारों ने पेशवा की बहादुरी की कहानियों के साथ लिखा। संजय लीला भंसाली ने इस सच्ची मोहब्बत की कहानी पर 2015 में फिल्म बनाई। फिल्म में लीड रोड में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को लिया गया। फिल्म को रिलीज के बाद काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। फिल्म ने अवॉर्ड फंक्शन में कई अवॉर्ड अपने नाम किये।

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के लिए बेहद खास है फिल्म बाजीराव मस्तानी

फिल्म बाजीराव मस्तानी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के लिए बहुत खास फिल्म रही है। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों का प्यार रीयल लाइफ में परवान चढ़ रहा था। 2013 में फिल्म रामलीला के सेट से शुरू हुई दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की लव स्टोरी ने बाजीराव के सेट पर इमोशनली एक दूसरे के साथ जुड़ाव महसूस किया और जिंदगीभर एक दूसरे के साथ रहने का फैसला किया। कहते हैं जोड़ियां ऊपरवाला बनाता है लेकिन मस्तानी ने अपने बाजीराव को खुद चुना। दीपिका और रणवीर की लव स्टोरी का आधार संजय लीला भंसाली बनें।

दीपिका और रणवीर ने कई इंटरव्यू में इस बात को स्वीकार किया है कि संजय सर न होते तो हम (दीपिका और रणवीर) कभी एक नहीं होते। माहौल तो ऐसा था कि दोनों बाजीराव मस्तानी की रिलीज के बाद शादी कर लेते लेकिन इसी दौरान संजय लीला भंसाली ने फिल्म पद्मावत ता ऐलान कर दिया। इस बार फिर संजय ने रणवीर और दीपिका को साथ लेने की घोषणा कर दी। फिल्म पद्मावत को पूरा करने के बाद साल 2018 में दोनों ने इटली के लेक कोमो में एक दूसरे के साथ सिंधी और कोंकणी रिवाजों के अनुसार शादी की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों कोरोना पॉजिटिव, लोगों को दी सर्तक रहने की सलाह

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद देश के डॉक्टरों ने छुट्टियों पर जाने वाले परिवारों को एहतियात बरतने को कहा है। मैक्रों राष्ट्रपति आवास 'एलईसी पैलेस' में ही पृथक रह रहे हैं। मैक्रों हमेशा ही सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहने और सामाजिक दूर के नियम का पालन करते दिखे हैं। वहीं बृहस्पतिवार को संक्रमित पाए जाने से पहने भी उन्होंने ठीक से खाना खाया था। आलोचकों का कहना है कि देश के लोगों के लिए यह काफी खराब उदाहरण है और उन्होंने किसी भी सभा में छह से अधिक लोगों के शामिल ना होने का सुझाव दिया है। राष्ट्रपति आवास के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मैक्रों को बुखार, खांसी और कमजोरी है। उन्होंने उनके इलाज से जुड़ी विस्तृत जानकारी हालांकि साझा नहीं की। मैक्रों के संक्रमित पाए जाने के बाद फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों को संक्रमण का प्रकोप एक बार फिर बढ़ने का संदेह है और उन्होंने क्रिसमस तथा नए साल पर छुट्टियों मनाने की तैयारी कर रहे परिवारों को अधिक सतर्कता बरतने को कहा है। वहीं फ्रांस में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 18,254 नए मामले सामने आए। वहीं मृतक संख्या अभी 60 हजार के पास पहुंच गई है।

पाकिस्तान में लश्कर-ए-इस्लाम के शीर्ष कमांडर सहित चार आतंकवादी गिरफ्तार

पेशावर। पाकिस्तान में अफगानिस्तान से लगे पश्चिमोत्तर कबायली इलाके में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-इस्लामके शीर्ष कमांडर सहित चार आतंकवादियों के गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक ,आरोपी पेशावर में बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। उन्होंने बताया कि यह सफलता खैबर कबायली जिले की बारा तहसील स्थित एक परिसर पर पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई में मिली। पुलिस ने बताया कि आतंकवादी संगठन का कमांडर जाकिर अफरीदी और तीन अन्य को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से आत्मघाती हमले में इस्तेमाल होने वाली, विस्फोटक लगी तीन जैकेट और देसी बम मिले हैं। पुलिस ने पेशावर में इनकी मदद करने के आरोप में आठ अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी 12 व्यक्तियों को अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने दी चेतावनी, कहा- 'ब्रेक्जिट के बाद का समझौता 'गंभीर स्थिति' में'

लंदन।ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने चेतावनी दी है कि ब्रेक्जिट के बाद यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौते की वार्ता ''गंभीर स्थिति'' में है, और ''बहुत संभव'' है कि अब कोई व्यापार समझौता न हो सके। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के पास व्यापार समझौते के लिए 31 दिसंबर तक का वक्त है। दोनों पक्षों के वार्ताकारों ने शुक्रवार को चर्चा दोबारा शुरू की, लेकिन गुरुवार रात यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ फोन पर बातचीत के बाद जॉनसन ने घोषणा की कि जब तक यूरोपीय संघ अपना रुख बदलने के लिए तैयार नहीं होता, समझौता पहुंच से बाहर रहेगा। दोनों पक्षों के बीच सहमति में मुख्य बाधा एक-दूसरे की जल सीमा में मछली पकड़ने का अधिकार देने तथा अनुचित प्रतिस्पर्धा रोकने के लिए घरेलू उद्योगों को राज्य द्वारा दी जा सकने वाली सहायता को लेकर है। प्रधानमंत्री आवास के एक प्रवक्ता ने दोनों नेताओं की फोन पर बातचीत के बाद बताया, ''प्रधानमंत्री ने कहा कि बातचीत अब गंभीर स्थिति में है। समय बहुत कम है और अब बहुत संभव है कि जब तक यूरोपीय संघ अपने रुख में बदलाव नहीं करता, तब तक समझौता नहीं होगा।'' ब्रिटेन का दावा है कि वह यूरोपीय संघ के उचित अनुरोधों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, लेकिन कुछ मूलभूत क्षेत्रों में बुनियादी अंतर अभी भी काफी जटिल हैं।

पाक मीडिया का दावा, नवाज शरीफ की मां के निधन पर पीएम मोदी ने लिखी थी चिट्ठी

लाहौर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले महीने पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ को एक निजी पत्र लिखकर उनकी मां के निधन पर दुख व्यक्त किया। यह पत्र 27 नवंबर को लिखा गया था जिसे पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) द्वारा बृहस्पतिवार को जारी किया गया। पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने 22 नवंबर को हुए शरीफ की मां के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। समाचार पत्र डॉन ने बृहस्पतिवार को बताया कि यह पत्र पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग द्वारा शरीफ की बेटी और पीएमएल-एन उपाध्यक्ष मरियम नवाज को भेजा गया तथा उनसे आग्रह किया गया कि वह इस बारे में लंदन में रह रहे अपने पिता को अवगत करा दें। मोदी ने पत्र में लिखा, प्रिय मियां साहिब, 22 नवंबर को लंदन में आपकी मां बेगम शमीम अख्तर के निधन के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं दुख की इस घड़ी में संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने 2015 में लाहौर की अपनी संक्षिप्त औचक यात्रा के दौरान शरीफ की मां के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए कहा, उनकी सादगी और गर्मजोशी वास्तव में बहुत ही हृदयस्पर्शी थी।

भारतीय सेना के पराक्रम से खौफजदा है पाकिस्तान, विदेश मंत्री बोले- भारत फिर कर सकता है सर्जिकल स्ट्राइक

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

आतंक का प्रयाय बन चुके पाकिस्तान पर भारतीय सेना के पराक्रम का खौफ इस कदर छाया हुआ है कि उसे हर वक्त सर्जिकल स्ट्राइक का डर सताता है। शुक्रवार को आबु धाबी में पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा, 'खुफिया स्रोतों से मुझे पा चला है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की प्लानिंग कर रहा है। यह एक गंभीर बात है।'

पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने आगे कहा, 'मुझे इस बात की भी जानकारी है कि भारत ने इसके लिए अपने महत्वपूर्ण सहयोगियों से इसके लिए अनुमोदन लेने की कोशिश की है, जिन्हें वे अपना साझेदार मानते हैं। भारत में बढ़ते गंभीर आंतरिक मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस तरह की योजना बनाई जा रही है।'

कुरैशी 17 और 18 दिसंबर को यूएई की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। गुरुवार को कुरैशी ने संयुक्त अरब अमीरात के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रवासी पाकिस्तानियों से मुलाकात की। कुरैशी ने कहा कि भारत पाकिस्तान पर ध्यान केंद्रित कर अपने विभाजित राष्ट्र का एकीकरण करना चाहता है।

आपको बता दें कि किसानों का यह आंदोलन भले ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हो रही है, लेकिन इसने इस्लामाबाद में बैठे पाकिस्तान के हुक्मरानों के माथे पर चिंता और डर की लकीरें खींच दी हैं। पाकिस्तान को डर है कि भारत सरकार किसान आंदोलन से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर सकती है। इससे पहले भी पाकिस्तान इसको लेकर चिंता जता चुका है।

पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान ने अपनी सेना को अलर्ट पर रखा है। वहां की अंग्रेजी अखबार 'डॉन' के मुताबिक, एक अधिकारी ने कहा कि भारत द्वारा कई आंतरिक मुद्दों से दुनिया का ध्यान हटाने के लिए कई तरह की योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिसमें चल रहे किसान आंदोलन भी शामिल है। उन्होंने कहा 'भारत किसी भी समय आंतरिक समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए पुलवामा जैसा नाटक दोहरा सकता है और एलओसी और वर्किंग बाउंड्री के साथ कार्रवाई की योजना बना रहा था।'

इससे पहले जियो न्यूज ने विश्वसनीय सूत्रों का हवाला देकर कहा है कि भारत लाइन ऑफ कंट्रोल और भारत-पाकिस्तान सीमा पर हमले की तैयारी कर रहा है। हमले की संभावना को देखते हुए पाकिस्तानी सेना को अलर्ट पर रखा गया है। जियो को सूत्रों ने बताया कि भारत सीमा पर ऐक्शन ले सकता है या सर्जिकल स्ट्राइक कर सकता है जिससे आंतरिक समस्याओं से ध्यान हटा सके।

गौरतलब है कि 2016 में भारत ने उड़ी आतंकवादी हमले के बाद पीओके में जाकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। इस सर्जिकल स्ट्राइक में कई आतंकी मारे गए थे और लॉन्च पैड्स को तबाह कर दिया गया था। इसी तरह पुलवामा हमले के बाद भारत ने 26 फरवरी 2019 को एयरस्ट्राइक के जरिए बालाकोट में आतंकी ठिकाने पर हमला किया था। दोनों ही मौकों पर पाकिस्तान की सेना को भनक तक नहीं लगी।

टीकाकरण अभियान से क्यों दूरी बना रहे है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प?

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन ने कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है जबकि यह प्रकिया इतनी जल्दी शुरू होने की उम्मीद उनके प्रशासन के कुछ अधिकारियों को भी नहीं थी। हालांकि, इस प्रक्रिया से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प स्वयं नदारद हैं जबकि उनके सहयोगियो को उम्मीद है कि यह उनकी विरासत के एक अहम हिस्से के तौर पर पेश किया जा सकता है। ट्रम्प ने तुरंत टीका विकसित करने और वितरण करने के लिए सरकारी अभियान 'ऑपरेशन वार्प स्पीड' की शुरुआत इस वसंत ऋतु में व्हाइट हाउस के प्रसिद्ध रोज़ गार्डन में अपने समर्थकों की भारी भीड़ के बीच की थी। आज अमेरिका के इतिहास के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के पांच दिन बीत चुके हैं पर ट्रम्प को किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में नहीं देखा गया है।

उन्होंने खुद टीका नहीं लगवाया है और इस अवधि में उन्होंने केवल दो बार ट्वीट किया है। इस बीच, उपराष्ट्रपति माइक पेंस मुख्य भूमिका में दिख रहे हैं। उन्होंने इस सप्ताह टीका उत्पादन संयंत्र का दौरा किया। वह शुक्रवार की सुबह टेलीविजन चैनलों के सीधा प्रसारण के दौरान कैमरे के सामने कोविड-19 का टीका लेने की तैयारी कर रहे हैं। प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी और सीनेट में बहुमत दल के नेता मिच मैक्कोनेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे अगले कुछ दिनों में कोविड-19 का टीका लगवाएंगे।

ट्रम्प तीन नवंबर के राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार के बाद से ही खामोश हैं और लोगों की आकांक्षा उलटने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने टीकाकरण का सार्वजनिक चेहरा बनने की योजना अस्वीकार कर दी। ट्रम्प के साथ होने वाली बातचीत की जानकारी रखने वालों ने बताया कि राष्ट्रपति ने लोगों का भरोसा बढ़ाने के लिए टीका विकसित करने वाली प्रयोगशालाओं और उत्पादन केंद्र जाकर वहां कार्य कर रहे कर्मचारियों को धन्यवाद देने के प्रस्ताव भी अस्वीकार कर दिया।

पूर्वी अफगानिस्तान में आतंकियों ने रिक्शे में छुपाया बम, विस्फोट में हुई 11 बच्चों की मौत

काबुल। (एजेंसी)।

पूर्वी अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में शुक्रवार को रिक्शा में छिपाकर रखे गए बम में विस्फोट होने से उसकी चपेट में आकर 11 बच्चों की मौत हो गई जबकि अन्य 20 घायल हुए हैं। गजनी प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता वहीदुल्लाह जुमाजादा ने बताया कि हमला दोपहर को गिलान जिले में हुआ। उन्होंने बताया कि बम धमाका उस समय हुआ जब चालक मोटर चालित रिक्शे के साथ सामान बेचने के लिएगांव में दाखिल हुआ और जल्द ही बच्चों ने उसे घेर लिया। जुमाजादा के मुताबिक हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। तत्काल किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। प्रवक्ता ने बताया कि इस बात की जांच की जा रही है कि बच्चों को क्यों निशाना बनाया गया।

उल्लेखनीय है कि दो दशक पुराने युद्ध की समाप्ति के लिए कतर में अफगानिस्तान की सरकार और चरमपंथी तालिबान के वार्ताकारों के बीच जारी वार्ता बावजूद हाल के महीनों में हिंसा की घटनाएं बढ़ी है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका के ज्वांइट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मार्क मिले ने मंगलवार को दोहा में तालिबान के नेताओं के साथ बिना पूर्व में घोषणा किए, एक बैठक कर अमेरिका-तालिबान समझौते के सैन्य पहलुओं पर चर्चा की है। समझौते का उद्देश्य तालिबान और अफगानिस्तान की सरकार के बीच सीधी शांति वार्ता के लिए मंच तैयार करना है।

दोहा में बातचीत के बाद जनरल मिले अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ घनी से परामर्श करने के लिए काबुल रवाना हो गए। मिले ने जोर देकर कहा कि दोनों पक्षों को तेजी से हिंसा कम करने की जरूरत है।

कोविड-19 के टीके पहले किसे दिए जाएं? अमेरिका में बन रहा डिबेट का मुद्दा

न्यूयार्क। (एजेंसी)।

अमेरिका में कोविड-19 के टीके लगने शुरू हो गए हैं और कम संख्या में उपलब्ध यह टीके ज्यादातर स्वास्थ्य कर्मियों को दिए जा रहे हैं। अगले साल जनवरी, फरवरी और मार्च में जब और टीके उपलब्ध होंगे तो वह पहले किसे दिए जाएंगे इस पर बहस जारी है। टीकाकरण विशेषज्ञों का एक दल, सप्ताहांत में होने वाली एक आपातकालीन बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा करेगा। समिति चाहे जो भी निर्णय ले, टीकाकरण को लेकर एक राज्य से दूसरे राज्य में प्राथमिकताएं अलग होंगी। विशेषज्ञों के दल का कहना है कि उन लोगों को टीका पहले मिलना चाहिए जो आवश्यक कार्य कर रहे हैं क्योंकि बस चालक, दुकानदार और इस प्रकार के लोग घर से काम नहीं कर सकते। ये ऐसे लोग हैं जो संक्रमण की चपेट में जल्दी आ रहे हैं।

इसके अलावा संक्रमण के खतरे के संबंध में नस्ली अंतर भी स्पष्ट है। परंतु कुछ अन्य विशेषज्ञों का कहना है कि कि 65 साल या उससे अधिक उम्र के और लंबे समय से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को टीका मिलना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि इस समूह में मृत्युदर ज्यादा है। मॉडर्ना के टीके पर चर्चा करने के एक दिन बाद रविवार को विशेषज्ञों का दल प्रस्ताव पर मतदान करेगा। राज्यों में टीकाकरण कार्यक्रम के प्रबंधकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन की कार्यकारी निदेशक क्लेयर हन्नान ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें पता है कि सब कुछ पूरी तरह से सही नहीं होने वाला है। हमारे पास एक साथ सभी को देने के लिए टीके उपलब्ध नहीं है। इसलिए हमें मुश्किल फैसले लेने होंगे।' यदि आवश्यक कार्य करने वालों को वास्तव में प्राथमिकता दी जाती है तो यह भी देखना होगा कि राज्यों ने भी तय कर रखा है कि टीका पहले किसे दिया जाना चाहिए।

60 अमेरिकी सांसदों ने बाइडेन से की एच-1 बी वीजा धारकों को लेकर ये अपील

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में 60 सांसदों के समूह ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन से वीजा के संबंध में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की एक नीति को बदलने का अनुरोध किया है। उन्होंने एच4 वीजा प्राप्त लोगों के दस्तावेज की वैधता की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। यह वीजा एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथियों को जारी किया जाता है। एच4 वीजा धारकों में अधिकतर उच्च कौशल वाली भारतीय महिलाएं शामिल हैं। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाएं (यूएससीआईएस) विभाग द्वारा एच-4 वीजा, एच-1 बी वीजा धारकों के परिवार के सदस्यों (जीवनसाथी और 21 साल से कम उम्र के बच्चों) के लिए जारी किया जाता है।

एच-1बी वीजा धारकों में अधिकतर भारतीय आईटी पेशेवर है। यह आमतौर पर उन लोगों को जारी किया जाता है, जो रोजगार के आधार पर स्थायी निवासी का दर्जा हासिल करना चाहते हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्यों ने 16 दिसंबर को बाइडन को पत्र लिखा, ''हम आपसे आग्रह करते हैं कि गृह सुरक्षा विभाग को आपके प्रशासन के पहले दिन एच 4 वीजा की खत्म हो रही वैधता को लेकर संघीय रजिस्टर नोटिस प्रकाशित करने का निर्देश दिया जाए।'' डेमोक्रेट बाइडन 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। पत्र में कहा गया कि गृह सुरक्षा विभाग ने 2015 में एक नियम जारी कर एच-एक बी वीजा धारकों के आश्रित जीवनसाथी को अनुमति दे दी थी।

पहली बार सौर मंडल के बाहर के ग्रह से आ रहे रेडियो सिगनल! वैज्ञानिक हुए हैरान

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

वैज्ञानिकों के अंतरराष्ट्रीय दल ने संभवत- पहली बार हमारे सौर मंडल के बाहर स्थित ग्रह से आ रहे रेडियो संकेतों का पता लगाया है। यह संकेत 51 प्रकाशवर्ष दूर स्थित ग्रह प्रणाली से आ रहे हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि नीदरलैंड स्थित रेडियो दूरबीन ने लो फ्रिक्वेंसी अर्रे (लोफर) का इस्तेमाल कर टाउ बूट्स तारे की प्रणाली से आ रहे रेडियों संकेतों का पता लागया है जिसके बहुत करीब गैस से बना ग्रह चक्कर लगा रहा है और जिसे कथित 'गर्म बृहस्पति' के नाम से भी जाना जाता है।

अमेरिका स्थित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने कर्क और अपसिलोन एंड्रोमेडे तारामंडल के संभावित ग्रहों से आ रहे रेडियो संकेतों का भी पता लगाया है। हालांकि, जर्नल 'एस्ट्रोमी ऐंड एस्ट्रोफिजिक्स' में प्रकाशित अनुसंधान पत्र में बताया गया कि केवल टाउ बूट्स ग्रह प्रणाली से ही निकल रहे रेडियो संकेत का पता चला है जो संभवत- ग्रह के विशेष चुंबकीय क्षेत्र की वजह से निकल रहे हैं। कॉर्नेल में पोस्टडॉक्टरोल अनुसंधानकर्ता जेक डी टर्नर ने कहा, '' रेडियो संकेत के जरिये हमले पहली बार सौर मंडल के बाहर ग्रह का पहला संकेत पेश किया है।'' उन्होंने कहा, '' ये संकेत टाउ बूट्स प्रणाली से आ रहे हैं जिसमें दो तारे और ग्रह है। हमने ने ग्रह द्वारा संकेत आने का मामला पेश किया है।''

अनुसंधानकर्ता ने कहा कि अगर इस ग्रह की पुष्टि बाद के अध्ययन से होती है तो रेडियो संकेतों के जरिये सौर मंडल के बाहर के ग्रहों का पता लगाने का एक नया मार्ग खुलेगा और सैकडों प्रकाशवर्ष दूर की दुनिया के बारे में जानने का नया तरीका मिलेगा। टर्नर ने कहा कि चुंबकीय क्षेत्र के आधार पर सौर मंडल के बाहर के ग्रह का पता लगाने से अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को उस ग्रह की बनावट और वायुमंडल के गुणों का पता लगाने में भी मदद मिलेगी, साथ ही तारे और उसका चक्कर लगा रहे ग्रहों के भौतिक संबंध भी समझने में सहूलियत होगी।

उल्लेखनीय है कि पृथ्वी का चुंबीय क्षेत्र सौर तूफानों के खतरों से बचाता है और इस ग्रह को जीवन लायक बनाता है। टर्नर ने कहा, ''सौर मंडल के बाहर के ग्रह पर पृथ्वी जैसा चुंबकीय क्षेत्र संभावित जीवन योग्य अवस्था में योगदान दे सकता है क्योंकि यह उसके वायुमंडल को सौर तूफान और ब्रह्मांड के घातक किरणों से बचाता है और ग्रह के वायुमंडल को नष्ट होने से भी रोकता है।'' उल्लेखनीय कि दो साल पहले टर्नर और उनके साथियों ने बृहस्पति ग्रह से आ रहे रेडियो संकेतों का अध्ययन किया था और उसी तरह के संकेत सौर मंडल के बाहर के ग्रह से आने से अनुमान है कि वह भी सौर मंडल के बृहस्पति ग्रह जैसा होगा। बृहस्पति और अन्य ग्रहों से आने वाले रेडियो संकेत के नमूने ब्रह्मांड में पृथ्वी से 40 से 100 प्रकाशवर्ष दूर स्थित ग्रहों का पता लगाने में मददगार है।

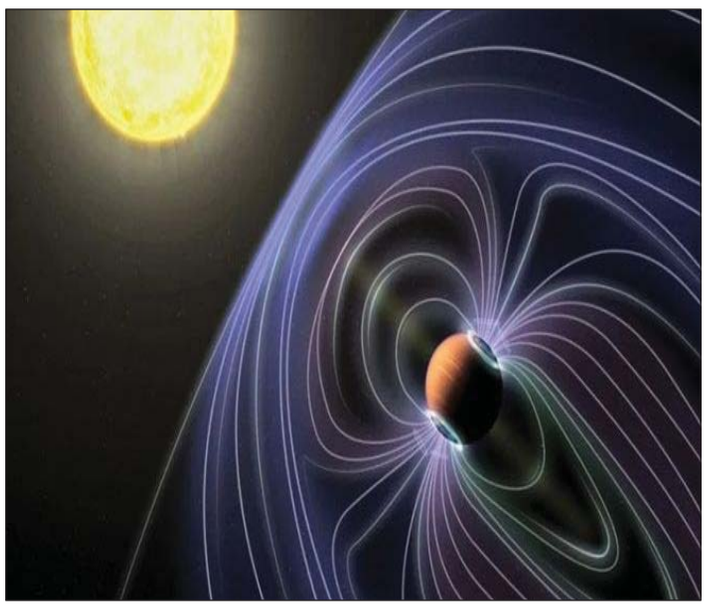

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

झांसी में कार सवार युवक ने दो मोटर-साइकिर को मारी टक्कर, हादसे में चार की मौत

झांसी (एजेंसी)। झांसी जिले में गुरसराय थाना क्षेत्र के ग्राम फरीदा के पास एक कार सवार युवक ने दो मोटरसाइकिल सवारों को जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खाई में जाकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है ?कि गुरसराय से एरच की तरफ तेज गति से जा रहे कार ने ग्राम फरीदा से पहले एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मोटरसाइकिल सवार सुरेंद्र कुमार वर्ष व बिल्ले पुत्र ओमप्रकाश निवासी भदरवारा थाना गरौठा, ओम प्रकाश पुत्र कधूरे निवासी भदरवारा थाना गरौठा गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद तेज गति से कार चालक ने आगे जाकर एक अन्य मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार एरच थाना क्षेत्र के ग्राम ढिकौली निवासी नत्थु धोबी एवं ३० वर्षीय सुखलाल की मौत हो गई। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर खाई में जाकर एक पेड़ से टकरा गई। पुलिस ने सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुरसराय भेजा, जहां पर नत्थू धोबी, सुखलाल अहिरवार, ओमप्रकाश एवं कार चालक आदर्श नापित को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं एक गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद झांसी रेफर कर दिया। इस दौरान कार चालक कार में ही फंस गया। आसपास खेत पर मौजूद लोग दौड़ कर घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने से चालक स्टीयरिंग के बीच फंस गया था। इसके बाद पुलिस ने जेसीबी के माध्यम से कार के हिस्से को काट कर चालक के शव को बाहर निकाला। इस हादसे के बाद मृतकों के घर में कोहरम मच गया। फिलहाल पुलिस हादसे की जांच पड़ताल में जुटी है।

महिलाओं के बैंक खातों में ४४५.९२ करोड़ रुपये सीधे ट्रांसफर करेगी योगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर एक वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें सीएम योगी द्वारा ९७,६६३ स्वयं सहायता समूहों एवं उनके संगठनों को ४४५.९२ करोड़ रुपये की पूंजीकरण धनराशि का हस्तांतरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास विभाग के मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह और राज्य मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला भी शामिल रहेंगे। दरअसल, योगी सरकार ने महिलाओं को आर्थिक स्वावलम्बन प्रदान करने के लिये काफी नीतिगत प्रयास किए हैं। बीते साढ़े तीन वर्षों में स्वयं सहायता समूह इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार बन कर उभरी हैं। प्रदेश में ३,९३,४४७ स्वयं सहायता समूहों से करीब ४५,२४,६४० परिवारों को बड़ा आर्थिक सम्बल प्राप्त हुआ है। अब तक करीब ६७ हजार समूह सदस्यों द्वारा १ करोड़ २८ हजार स्कूल गणवेशों का निर्माण किया गया है, जिससे लगभग १०० करोड़ से अधिक की आमदनी हासिल हुई। बता दें कि वर्तमान में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा १,१४१ उचित दर की दुकानों का संचालन किया जा रहा है, तो ५२,९८१ अंगनबाड़ी केंद्रों में इन्हीं समूहों द्वारा सूखे राशन का वितरण भी किया गया। योगी सरकार करीब ५८ हजार ग्राम पंचायतों में बैंकिंग सखी की नियुक्तिकर रही है, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों को वरीयता दी गई है। यही नहीं, ७,२१३ स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सामुदायिक शौचलयों का संचालन भी हो रहा है।

इसके अलावा प्रदेश सरकार की ओर से घर बैठे टेली कंसल्टेंसी सेवा का लाभ लेने के लिए अपने स्मार्टफोन में ई संजीवनी एप्लीकेशन डाउनलोड करके या वेबसाइड पर लॉग इन करके या जिन लोगों के पास स्मार्टफोन नहीं हैं, वह अपने नजदीकी क्रियाशील हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर उपलब्ध कम्यूनिटी हेल्थ आफिसर के माध्यम से चिकित्सकीय परामर्श ले सकते हैं।

व्यक्तिका शव बरामद

वाराणसी (एजेंसी)। जिले के लालपुर-पांडेयपुर क्षेत्र में एक व्यक्तिका शव बरामद हुआ। कैंट के पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिमन्यु मांगलिक ने शुक्रवार को बताया कि गोइठहां निवासी राजकुमार राजभर का शव लमही सब्जी मंडी के पास बरामद किया गया। मृतक के परिजनों ने जमीन विवाद को लेकर उसकी हत्या की आशंका व्यक्तकी है। परिजनों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि राजकुमार अपने कुछ साथियों के साथ गुरुवार शाम शराब की दुकान पर गया था, जहां उसने काफी शराब पी थी।

शस्त्र लाइसेंस की फाइलें गायब करने वाले आरोपी कर्मचारी को हाईकोर्ट से जमानत

कानपुर(एजेंसी)। बिकरू कांड में शस्त्र लाइसेंस की फाइलों को गायब करने के आरोपी लिपिक की अग्रिम जमानत की याचिका को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। आरोपी को जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि यदि आरोपी की गिरफ्तारी हुई हो तो उसे अग्रिम जमानत पर छोड दिया जाए। इस मामले की जांच जब एसआईटी ने शुरूकी तो एनकाउंटर में मारे गए गैंगस्टर विकास दुबे और उसके सहयोगियों को शस्त्र लाइसेंस देने का मामला भी एक बिंदु था। जांच जब आगे बढ़ी तो पता चला कि विकास दुबे और उसके सहयोगियों के अलावा पूर्व मंत्री कमल रानी वरुण की फाइलें भी गायब हैं।

बिकरूकांड में जांच के दौरान विकास दुबे और उसके सहयोगियों फाइलें मिली थीं गायब

कानपुर देहात में लंबे समय से तैनात रहे शस्त्र लिपिक विजय कुमार रावत शस्त्र से जुड़ी २७३ फाइलें कानपुर ले आए थे। एसआईटी को जब फाइलें नहीं मिलीं तो शस्त्र लिपिक के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। विजय की ओर से पहले जिला न्यायालय की विशेष न्यायाधीश एससीएसटी की कोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी दी गई थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद विजय ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। फर्जी शपथपत्र लगाकर शस्त्र लाइसेंस लेने वाले नौ आरोपियों पर केस दर्ज किया गया था। इसमें विकास दुबे के पिता रामकुमार दुबे, भाई दीपक दुबे उर्फ दीप प्रकाश, दीपक की पत्नी अंजलि दुबे, विष्णुपाल उर्फ जिलेदार, अमित उर्फ छोटे बउवा, दिनेश कुमार, रवींद्र कुमार, अखिलेश कुमार और आशुतोष त्रिपाठी उर्फ शिव त्रिपाठी शामिल हैं।

एसपी ने बताया था कि इस केस में धोखाधड़ी, कूट रचित दस्तावेज तैयार करने समेत अन्य धाराएं लगाई गई हैं।

भतीजी से शादी की नीयत से चाचा ने कर दी भतीजे की हत्या

फिरोजाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में एक चाचा द्वारा भतीजी से शादी करने की नियत से उसके भाई की हत्या करने का मामला सामने आया है। इस वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपी चाचा ने पहले भजीती और उसके दो भाइयों का अपहरण किया। फिर बड़ी बेरहमी से एक भतीजे की गला रेतकर हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस ने दो बच्चों को बचा लिया है। दरअसल, एक दिन पहले बच्चों की मां द्वारा पुलिस को तीनों बच्चों के अपहरण की शिकायत मिली थी। एक साथ तीन बच्चों के अपहरण की सूचना पर पुलिस प्रशासन ने इसमें तत्काल सख्ती से कार्रवाई की और खोजबीन के लिए ५ टीमों का गठन किया। एसओजी और पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की तो अपहरणकर्ता बच्चों का सगा चाचा निकला। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चाचा अमर सिंह अपनी भतीजी से शादी करना चाहता था, इसलिए उसने अपनी भतीजी सहित अपने दो भतीजे अरुण और वरुण का अपहरण कर लिया और टूंडला स्थित अपने मकान में लाकर उसे बंद कर दिया। इस दौरान बड़ा भतीजा वरुण जब चिल्लाने लगा तो उसने उसकी बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी और शव घर में एक खुदे सीवर टैंक के गड्ढे में डाल दिया। आरोपी ने बताया कि वो भतीजी को अपने साथ ले जाना चाहता था और उससे शादी करना चाहता था। लेकिन, दो भतीजे थे इसलिए साथ में लाना पड़ा। एक भतीजा वरुण शोर मचाने तो उसकी हत्या कर दी। फिलहाल आरोपी चाचा अमर सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगामी कार्रवाई कर रही है।

अधजले शव की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने पिता की तहरीर पर ५ हत्यारोपियों पर किया मामला दर्ज

ललितपुर(एजेंसी) पुलिस द्वारा नहर से बरामद की गई अधजले शव की शिनाख्त होने के साथ ही पूरे मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस द्वारा उक्त अंधे हत्याकांड की गई विवेचना में २४ घंटे बीतने से पूर्व ही थाना बानपुर पुलिस ने उक्त पूरे मामले का खुलासा कर दिया जो पुलिस की एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। पुलिस की तफ्तीश के अनुसार मृतक एमपी के टीकमगढ़ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रामनगर सेवड़ा निवासी विट्टी उर्फ गोविन्दी नामक युवक के रूप में हुई। थाना बानपुर पुलिस ने मृतक के पिता खड़िया आदिवासी पुत्र चिननाई की तहरीर पर गांव के ही अशोक पाल घन्सू पाल पुत्रगण लक्खू पाल के साथ कन्नू पाल पुत्र मोतिया पाल, अकेश चढार पुत्र अजुद्दी और जग्गा यादव उर्फ रविन्द्र यादव पुत्र हुकुम यादव नि० ग्राम रामनगर सेवडा थाना कोतवाली देहात के विरुद्ध १४७ ३०२ २०१ ३६४ तथा ३(२) एससीएसटी एक्ट में मामला पंजिकृत कर आरोपियों

की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए है। इस मामले में मृतक के पिता द्वारा थाना बानपुर पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया है कि मेरे लडके २५ वर्षीय विट्टी उर्फ गोविन्दी पुत्र खडिया आदिवासी का झगड़ा गाँव के ही अशोक पाल पुत्र लक्खू से हुआ था। जिसके बाद गांव वालों की मध्यस्थता से विवाद को निपटा दिया गया था । जिसके बाद अशोक पाल और उसका भाई घन्सू पाल के साथ कन्नू पाल पुत्र मोतिया पाल, अकेश चढार पुत्र अजुद्दी अपनी मोटर साईकिल से जबरन उसके लड़के का अपहरण कर ले गए तथा पीछे से जग्गा यादव उर्फ रविन्द पुत्र हुकुम यादव भी था। जिस को जबरन ले जाते हुए कुछ ग्रामीणों ने भी देखा था लेकिन वह डर के मारे कुछ नहीं बोले। जब मेरा लड़का घर नहीं आया तो मैंने उसे काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला जिसके बाद मैंने अपने यहां के थाने में १७ दिसंबर को शिकायत दर्ज कराई। तभी वहां मौजूद टी.आई. साहब ने मोबाइल पर एक अधजली लाश दिखाई जिसे मैने देखा तो अधजली लाश मेरे लड़के की है मेरे लड़के के दाहिने हाथ की हथेली के ऊपर त्रिशूल का निशान व ओम का निशान गुदा था तथा दाहिने हाथ की कलाई में अंग्रेजी में BETEDEVAM गुदा था। जिसके बाद थाना बानपुर पुलिस से संपर्क किया गया तब पूरा मामला खुलकर सामने आ गया। थाना मानपुर पुलिस ने पिता की तहरीर पर मामला पंजीकृत कर हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं।

आगरा बैंक लूटकांड में चौकी इंचार्ज समेत ३ पुलिसकर्मी सस्पेंड

बैंक लूटने वाले बदमाशों पर १ लाख रुपये का ईनाम घोषित

आगरा (एजेंसी)। आगरा में तीन पहले हरिथार लैस अपराधियों द्वारा इंडियन ओवरसीज बैंक से ५७ लाख रुपए की लूट को अंजाम दिया गया। इस मामले में पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही, लेकिन फिर भी हाथ खाली है। ऐसे में एसएसपी बबलू कुमार ने कड़ी लापरवाही के आरोप में चौकी इंचार्ज समेत ३ पुलिसकर्मी सस्पेंड कर दिया। वहीं बदमाशों का सुराग देने वाले को १ लाख रुपये ईनाम की घोषणा पुलिस ने की है। अब हरकत में आई पुलिस ने लुटेरों की गिरफ़्तारी के लिए ग्वालियर के पुलिस अधिकारियों से बात की है। बातचीत के बाद ग्वालियर में पुलिस की चेकिंग बढ़ा दी गई है। उधर लूट के मामले में बैंक की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बैंक में कोई सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था। एडीजी अजय आनंद, आईजी सतीश गणेश, एसएसपी बबलू कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एडीजी अजय आनंद ने बताया कि बैंक लूट मामले में पुलिस की ६ टीमें गठित कर दी गई हैं। सभी टीमें अलग-अलग स्थानों पर रवाना कर दी गई हैं। आगरा शहर में सभी चौराहों पर सीसीटीवी फुटेज की मदद ली जा रही है। उन्होंने बताया कि ग्वालियर मार्ग पर रोहता में ५६, ९८००० रुपए की लूट करके अपराधियों ने पुलिस को बड़ी चुनौती दी है। शुरुआती जांच में जब बैंक अधिकारियों से पुलिस ने बात की तो सबसे चौंकाने वाला खुलासा यही हुआ कि बैंक में सुरक्षा मानकों की पूरी तरह अनदेखी की गई। कायदे से बैंक में सुरक्षा गार्ड की तैनाती होनी चाहिए, लेकिन बैंक में कोई सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था। बैंक में हुई बड़ी लूट की घटना के बाद आगरा श पुलिस अधिकारियों का दावा है बहुत जल्द इस सनसनीखेज लूट कांड का खुलासा कर दिया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

औंछा थाना पुलिस ने दो लुटेरे किए गिरफ्तार

मैनपुरी(एजेंसी)औंछा थाना पुलिस ने सूचना पर नगला केहरी मोड़ के पास दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दो तमंचे कारतूस, किसी वारदात में लूटे गए जेवर व चोरी की बाइक बरामद हुई। दोनों कुरावली क्षेत्र के रहने वाले हैं।

थाना पुलिस बुधवार रात क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी प्रभारी निरीक्षक जगदत्त सिंह को सूचना मिली कि क्षेत्र में लूट करने वाले दो बदमाश नगला केहरी मोड़ के पास हैं। दोनों किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस पर प्रभारी निरीक्षक टीम के साथ नगला केहरी मोड़ पर पहुंचे। घेराबंदी कर वहां मौजूद लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया। लुटेरों के कब्जे से पुलिस ने दो तमंचा और कारतूस बरामद किए।

उनके कब्जे से लूटी गई एक अंगूठी और झाले भी बरामद हुए। पूछताछ में दोनों ने अपने नाम पंकज कुमार पुत्र केदार सिंह और विकास कुमार पुत्र उजवीर सिंह निवासी गांव नगला नंदे कुरावली बताया।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि लुटेरों के पास बरामद बाइक शहर से चोरी की गई थी। पकड़े गए अपराधियों को न्यायालय में पेश किया गया, वहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

विकास है शातिर अपराधी

थाना पुलिस के अनुसार पकड़ा गया विकास कुमार बेहद शातिर अपराधी है। उस पर जनपद एटा में करीब सात मामले वहीं औंछा थाने में चार मामले दर्ज हैं। पकड़े गए लुटेरे के दूसरे साथी पंकज कुमार पर भी औंछा थाने में चार आपराधिक मामले दर्ज हैं।

सार-समाचार

नही रहे हकीम हाजी अली

जैदपुर बाराबंकी (एजेंसी)। दूसरो को जिन्दगी देने वाले आखिर खुद जिन्दगी छोड़कर इस दुनिया को अलविदा कह दिया। कस्बे के हकीम हाजी अली अहमद की अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सूचना मिलते ही क्षेत्र मे शोक की लहर दौड़ गयी। जानकारी के अनुसार मोहल्ला मोलवी कटरा निवासी उसतदुश शोअरा हाजी अली अहमद बीती रात एक मंगनी के कार्यक्रम मे स्दौली गये थे। वापस लौट कर घर आये और परिवार के लोगों से घंटों बाते करते रहे।थोड़ी देर बाद अचानक सीने पर दर्द होने की जानकारी परिवार के लोगों को दिया। उपचार के लिये ले जाते समय मोहल्ला बाँध के पास उन्होंने आखरी सांस ली। बताते चले कि हाजी अली अहमद हड्डी

को बैठाने एक नामचीन व्यक्ति थे हजारों की संख्या लोगो की टूटी-फूटी हड्डियों को जोडकर उसे अपने पैरों पर खड़ा कर दिया। यहीं नहीं शायरी मे भी इनकी एक अलग पहचान है। सैकड़ो की संख्या में हाजी के शिष्य इनके लिखे कलाम के कारण देश मे ही नही विदेशों में भी नाम कमा चुके है। इनके शिष्य सफीर जैदपुरी द्वारा पढ़ा गया ये कलाम, कई वर्षो तक लोगों की जुबान व दिमाग मे गूजता रहा। दिल की धड़कन मे रहूँ। तेरी साँसों मे रहू। हाजी सायरो के उस्ताद होने के साथ पहलवानी के दाव पेंच मे भी बहुत माहिर थे। इन्सानो के मेल मुहब्बत से पेश आना इनकी आदत थी वहीं जानवरों की सेवा करना भी इनका शौक था। भेड़ ,दुम्बे बकरियों का पालन कर ईटों की सप्लाई कर परिवार को चलाने वाले की अचानक मौत हो जाने से कस्बे सहित ग्रामीण इलाकों भे भी लोगों मे शोक का माहोल बना हुआ है बाद नमाजे जुमा कस्बे की कदीमी कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया। जहां सफीर जैदपुरी, राशिद कमाल, जमील अख्तर, इब्ने वफा, बसर, जैदपुरी, मरगूब, इसलामुददीन, राशिद आरफी, शोअराओ सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दलित बच्ची का नग्न शव मिला, दुराचार के बाद हत्या की आशंका

हरदोई (एजेंसी)। जिले के माधौगंज थाना क्षेत्र में सात साल की दलित बच्ची का शव नग्न अवस्था में झाड़ियों में पड़ा मिला। गले में चोटों के निशान से अनुमान लगाया जा रहा है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। पिता ने दुष्कर्म के बाद घटना को अंजाम की आशंका जताई है। एसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हत्यारे को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक बच्ची के पिता ने बताया कि बेटी गुरुवार को शाम ४ बजे घर से बाहर खेलने के लिए गई थी। काफी देर तक वापस न लौटने पर रात भर उसकी खोजबीन की। सुबह पुलिस को घटना के बारे में जानकारी दी। छानबीन के दौरान गांव के बाहर झाड़ियों में बच्ची का शव नग्न व क्षत विक्षत अवस्था में पड़ा मिला। पता चलते ही पुलिस पहुंची और शव को उठा ले गई। पुलिस अधीक्षक अनुराग वत्स ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर जायजा लिया और बच्ची के घर जाकर लोगों से घटना के विषय में जानकारी ली। पुलिस ने साथ में खेलने वाले बच्चों से भी पूछताछ की। एसपी ने कहा कि दुष्कर्म हुआ या नहीं, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर हो सकेगी। एसपी ने बताया कि पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। बच्ची का शव मिलने के बाद पुलिस ने पूरे गांव को छावनी में तब्दील कर दिया। आसपास के कई थानों की पुलिस को मौके पर बुला लिया गया। परिजनों के पहुंचने से पहले ही पुलिस घटनास्थल से शव को उठाकर ले गई। शव को देखने के लिए बाद में परिजन थाने तक पहुंचे।

ग्राम प्रधान के पति की गोली मारकर हत्या

मऊ(एजेंसी)। जिले के सरायलखंसी थानाक्षेत्र के बदुवागोदम ग्राम सभा में शुक्रवार को गांव की प्रधान पति की पुरानी रंजिश को लेकर गोली मार कर हत्या कर दी गयी। जानकारी के मुताबिक बदुवागोदम गांव की प्रधान हेमवंती देवी के पति शैलेन्द्र यादव का गांव के रहने वाले एक व्यक्तिसे पुरानी रंजिश थी। शुक्रवार सुबह शैलेन्द्र यादव गांव में समुदायिक शौचालय का निर्माण करा रहे थे और उसी समय गांव के रहने वाले बंटी सिंह, सत्यम सिंह व शिवा सिंह प्रधान के पति को गोली मार कर फरार हो गए। शैलेन्द्र यादव को तीन गोलियां लगी थीं और इलाज के लिए उन्हें जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस अधीक्षक सुशील धुले ने बताया कि सरायलखंसी थाना के बदुवागोदम की महिला ग्राम प्रधान के पति को गांव में ही तीन लोगो ने गोली मार दी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने गोली मारी है उसमें से दो लोग गांव के रहने वाले हैं जिनसे उनकी पुरानी रंजिश थी जबकि एक व्यक्तिबाहर का है। उन्होंने बताया कि पुलिस को सभी लोगों के नाम पता है, पुलिस टीमें बना दी गयी हैं और आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि महिला प्रधान के पति शैलेन्द्र के खिलाफ थाने में १० मामले दर्ज हैं जिनमें से दो हत्या के मामले भी हैं जिसमें वह जेल भी जा चुका है।

महिला से बलात्कार के मामले में देवर गिरफ्तार

बांदा (एजेंसी)। जिले के बिसंडा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला से कथित रूप से दुष्कर्म के मामले में उसके देवर को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक बलात्कार की यह घटना बुधवार शाम की है। घटना के समय २६ वर्षीय पीड़िता का पति किसी काम से दूसरे घर में था और पीड़िता घर में अकेले थी, तभी उसके २४ वर्षीय देवर ने उसका बलात्कार किया और इस बारे में किसी से बताने पर उसे व उसके ढाई साल के बच्चे को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। पीड़िता ने अपने पिता और भाई के साथ घटना की रात थाने में आकर मामला दर्ज करवाया। बृहस्पतिवार को पीड़िता का पुलिस में बयान दर्ज करवाया गया और आरोपी युवक को शुक्रवार तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। अब उसे अदालत में पेश किया जाएगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

राहुल गांधी ने एक खबर साझा करते हुए पूछा सवाल, कितने अन्नदाताओं को देनी होगी कुर्बानी ?

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दौरान 22 किसानों की मौत के दावे वाली खबर का हवाला देते हुए शुक्रवार को सवाल किया कि आखिर कितने अन्नादाताओं को कुर्बानी देनी होगी और ये 'कृषि विरोधी' कानून कब खत्म किए जाएंगे। उन्होंने एक खबर साझा करते हुए ट्वीट किया, ''और कितने अन्नदाताओं को कुर्बानी देनी होगी? कृषि विरोधी कानून कब ख़त्म किए जाएंगे?'' कांग्रेस नेता ने जो खबर साझा की उसमें कहा गया है कि दिल्ली के निकट किसानों का आंदोलन आरंभ होने के बाद अब तक 22 किसानों की मौत हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के निकट बड़ी संख्या में किसान पिछले कई दिनों प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार और किसान संगठनों के बीच कई दौर की बातचीत बेनतीजा रही है। किसान संगठनों की मांग है कि तीनों कृषि कानून वापस लिए जाएं।

देश में कोरोना के मामले बढ़कर 99.79 लाख के पार, 22,890 नए केस

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 22,890 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 99.79 लाख के पार पहुंच गए, जिनमें से 95 लाख से अधिक लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 338 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,44,789 हो गई। वहीं देश में अभी तक कोविड-19 के कुल 99,79,447 मामले सामने आ चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार 95,20,827 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के साथ ही देश में मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 95.40 प्रतिशत हो गई। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है। देश में लगातार 12 दिनों से उपचाराधीन लोगों की संख्या चार लाख से कम है। अभी 3,13,831 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 3.14 प्रतिशत है। भारत में सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख के पार चली गई थी। वहीं, कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार देश में अभी तक 15,89,18,646 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई, जिनमें से 11,13,406 नमूनों की जांच बृहस्पतिवार को की गई।

राम मंदिर निर्माण के लिए कब शुरू होगा संपर्क अभियान ? चंपत राय ने दिया यह जवाब

लखनऊ। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण समाज के सहयोग से साकार होगा और मंदिर निर्माण से लोगों को स्वेच्छा से जुड़ने का अभियान मकर संक्रांति से शुरू होकर माघ पूर्णिमा तक पूरा होगा। चंपत राय ने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हए कहा कि इस अभियान में चार लाख कार्यकर्ता शामिल होंगे जिनकी एक लाख से ज्यादा टोलियाँ होंगी। राय ने कहा कि अभियान में 12 करोड़ परिवारों से संपर्क किया जाएगा जिसमें साधु संत भी भाग लेंगे।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बोले, भाजपा जैसी जन विरोधी सरकार आज तक नहीं आई

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संभल में किसान नेताओं को नोटिस जारी कर निजी मुचलका भरने के प्रशासनिक फरमान को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। यादव ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि उप्र की भाजपा सरकार प्रदर्शनकारी किसानों पर प्रति किसान 50-50 लाख रुपये के मुआवजे के मुकदमे कर रही है जबकि उच्चतम न्यायालय किसानों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को वैधानिक मान्यता दे चुका है। उन्होंने कहा कि भाजपा जैसी जन विरोधी सरकार आज तक नहीं आई। उल्लेखनीय है कि संभल में कृषि क़ानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर पुलिस की रिपोर्ट पर प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। संभल के एसडीएम दीपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को कहा था, हमें हयात नगर थाने से रिपोर्ट मिली थी कि कुछ लोग किसानों को उकसा रहे हैं और इससे शांति भंग होने की आशंका है। प्रत्येक से 50 लाख रुपये के मुचलके पर पाबंद किया जाये। एसडीएम ने कहा कि किसानों ने कहा कि यह बहुत ज्यादा है फिर दोबारा थानाध्यक्ष ने दूसरी रिपोर्ट दी जिसमें इन लोगों को 50-50 हजार रुपये के मुचलके से पाबंद किया गया। उल्लेखनीय है कि जिन छह किसानों को नोटिस दिया गया, उनमें भारतीय किसान यूनियन (असली) संभल के जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह यादव और अन्य किसान नेता जयवीर सिंह, ब्रम्हचारी यादव, सतेंद्र यादव, रौदास और वीर सिंह शामिल हैं। राज पाल सिंह यादव ने कहा, हम यह मुचलका किसी भी हालत में नहीं भरेंगे, चाहे हमें जेल हो जाए, चाहे फांसी हो जाए। हमने कोई गुनाह नहीं किया है, हम अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं भारतीय किसान यूनियन (असली) के मंडल अध्यक्ष संजीव गांधी ने कहा, हम 5-6 लोगों के खिलाफ भी मुचलके के लिए पुलिस वाले आए थे लेकिन हमारे परिवार वालों ने दस्तखत नहीं किए।

तृणमूल कांग्रेस में भगदड़, एक-एक कर बाकी हो रहे हैं नेता, टेंशन में ममता बनर्जी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पश्चिम बंगाल में सियासी हलचल तेज है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिल रही है। माना जा रहा है कि अगले विधानसभा चुनाव में भी इन्हीं दो पार्टियों के बीच पश्चिम बंगाल में मुख्य मुकाबला रह सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए दोनों ही ओर से जोर आजमाइश की जा रही है। वर्तमान परिस्थितियों में देखें तो भाजपा लगातार पश्चिम बंगाल में खुद को मजबूत करती जा रही है जबकि तृणमूल कांग्रेस के अंदर ही सियासी घमासान मचा हुआ है। आंतरिक कलह की वजह से कई नेता लगातार पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। पिछले कुछ दिनों की बात करें तो एक के बाद एक कई बड़े नेता पार्टी से अलग हो चुके हैं। पिछले महीने मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी ने आखिरकार पार्टी से भी इस्तीफा दे ही दिया। उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें चल रही है। पश्चिम बंगाल में 65 सीटें ऐसी हैं जहां पर शुभेंदु अधिकारी का दबदबा देखने को मिलता है। ऐसे में अगर वह भाजपा में शामिल होते हैं तो जाहिर सी बात है कि भगवा पार्टी को तृणमूल कांग्रेस के ऊपर बढ़त मिल सकती है।

शुभेंदु अधिकारी ने 2009 में नंदीग्राम में वाम मोर्चा की सरकार के खिलाफ भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में ममता बनर्जी की मदद की थी और इसके बाद तृणमूल कांग्रेस 2011 में सत्ता में आयी। उनको मनाने का प्रयास नाकाम रहा। अधिकारी ने बिना किसी का नाम लिए हालिया दिनों में कई मुद्दों पर तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की। शुभेंदु के समर्थन में पार्टी के कुछ बड़े नेता भी हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता सुनील मंडल, आसनसोल नगर निगम के प्रमुख जितेंद्र तिवारी समेत कई असंतुष्ट नेता भी शुभेंदु अधिकारी से मिल रहे हैं। यानी कि शुभेंदु अधिकारी के साथ-साथ यह नेता भी अब तृणमूल कांग्रेस का दामन छोड़ सकते हैं। अभी शुभेंदु अधिकारी के जाने के संकट से तृणमूल कांग्रेस जूझ रही थी कि तब तक एक और विधायक ने पार्टी का साथ छोड़ दिया। यह विधायक बैरकपुर के शीलभद्र दत्ता हैं। शीलभद्र दत्ता ने अपना इस्तीफा तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को ईमेल पर भेज दिया है। इनके भी भाजपा में शामिल होने के चर्चे हैं। दत्ता मुकुल राय के भी करीबी रह चुके हैं। उधर पूर्व मंत्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भी तृणमूल कांग्रेस का साथ छोड़ भाजपा में शामिल होने की घोषणा कर दी है।

तृणमूल से बागी हुए कुछ नेताओं का आरोप है कि ममता सरकार जानबूझकर उनके सुरक्षा को वापस ले रही है। ऐसे में उनका कहना है कि वह उस पार्टी में ही क्यों रहे जिस पार्टी ने उनकी ही जान की कीमत लगा दी है। इसके अलावा शीलभद्र दत्ता जैसे नेता यह आरोप लगा रहे हैं कि वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस का जो माहौल है वह उन्हें सूट नहीं करता है। दरअसल, शीलभद्र की नाराजगी प्रशांत किशोर की वजह से है। शीलभद्र लगातार प्रशांत किशोर और उनकी कंपनी पर सवाल उठाते रहे हैं। शीलभद्र का कहना है कि वह 10 साल की उम्र से राजनीति कर रहे हैं लेकिन अब उन्हें एक मार्केटिंग कंपनी चुनाव लड़ना सिखा रही है जो मंजूर नहीं। यह मामला थमा ही नहीं था कि तृणमूल कांग्रेस के अल्पसंख्यक मोर्चा के नेता कबीर उल इस्लाम ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया। कबीर उल इस्लाम उस समुदाय से आते हैं जो ममता बनर्जी का वोट बैंक माना जाता है। कबीर उल इस्लाम के इस्तीफे से अब यह सवाल उठना लाजमी हो गया है कि क्या ममता पर अब अल्पसंख्यक समाज का भी भरोसा नहीं रहा?

उधर भाजपा लगातार तृणमूल कांग्रेस पर चोट करने की कोशिश में है, उसे कमजोर करने की कोशिश में है। ऐसे में उम्मीद है कि आने वाले दिनों में भी तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं। हालांकि पार्टी की ओर से भी इन नेताओं को लेकर कुछ सकारात्मक चीजें नहीं हुई। पार्टी के नेताओं की नाराजगी दूर करने की बजाय ममता बनर्जी ने सार्वजनिक तौर पर यह कह दिया कि जिन्हें जाना है वह जा सकते हैं। हाल में ही अमित शाह का पश्चिम बंगाल दौरा होना है। माना जा रहा है कि यह सभी नेता अमित शाह की उपस्थिति में भाजपा का दामन थामेंगे। भाजपा ऐसे ही और कुछ नेताओं को अपने साथ जोड़ सकती है जो तृणमूल कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस में ऐसा घमासान क्यों मचा है?

भाजपा लगातार यह कह रही है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को यह लग गया है कि ममता सरकार अब आने वाली नहीं है। इसके अलावा भाजपा यह भी दावा कर रही है कि तृणमूल में लोकतंत्र नहीं बचा। वहां तानाशाही हो गई है और

सिर्फ और सिर्फ ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की ही सुनी जाती है। कुछ बड़े नेताओं का यह लगातार आरोप रहा है कि ममता बनर्जी अपनी पार्टी में अभिषेक बनर्जी को आगे बढ़ा रही है, बड़े नेताओं की अनदेखी कर रही हैं। अप्रैल-मई में पश्चिम बंगाल में चुनाव होने है। अब देखना दिलचस्प होगा कि नए साल में आखिर पश्चिम बंगाल की राजनीति किस करवट बैठता है। फिलहाल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच घमासान लगातार जारी है।

लद्दाख मामले को लेकर शिवसेना ने भाजपा पर साधा निशाना, 1971 के युद्ध को प्रेरणादायी करार दिया

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना ने शुक्रवार को भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में जो लोग कांग्रेस के योगदान पर लगातार सवाल खड़े करते हैं, उन्हें 1971 के ऐतिहासिक घटनाक्रमों के बारे में जानना चाहिए जब पाकिस्तान को परास्त करके बांग्लादेश का निर्माण हुआ। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में कहा कि मौजूदा समय में चीनी और पाकिस्तानी बल भारत के साथ लगती सीमाओं पर दिक्कतें पैदा कर रहे हैं। मराठी में प्रकाशित मुखपत्र में कहा गया, '' चीन लद्दाख से नहीं हट रहा है जबकि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर रहा है। 50 साल पहले पाकिस्तान को सबक सिखा दिया गया था। आज के बारे में क्या कहना है? अनुच्छेद 370 को खत्म किए एक साल से ज्यादा समय बीत चुका है लेकिन जम्मू-कश्मीर में शांति नहीं है।''

संपादकीय में 1971 के युद्ध को रोमांचक और प्रेराणादायी करार दिया गया गया। महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी पार्टी ने कहा, '' पाकिस्तान के ऊपर जीत हासिल किए हुए इस साल 50 वर्ष पूरे हो गए और यह इंदिरा गांधी की कूटनीतिक और रणनीतिक फैसलों के ऐतहासिक घटनाक्रमों को याद करने का समय है। इसी रणनीति ने पाकिस्तान को अमेरिकी बेड़े की मदद पहुंचने से पहले हरा दिया।' संपादकीय में कहा गया, 'भारतीय सेना ने फील्ड मार्शल सैम मानिकशॉ के नेतृत्व में पाकिस्तानी बलों पर हमला किया और उन्हें 13 दिन के भीतर समर्पण करने को मजबूर कर दिया।'

अपने पुराने सहयोगी भाजपा का नाम लिए बिना उस पर हमला करते हुए शिवसेना ने कहा, 'व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी पर बचकाना सवाल 'कांग्रेस ने 70 वर्षों में क्या किया' पूछा जाता है। इन लोगों को 1971 के युद्ध के बारे में जानना चाहिए।' संपादकीय में कहा गया कि यह सच्चाई है कि सबक सिखाए जाने के बाद भी पाकिस्तान उससे सीख लेने से इनकार कर रहा है। शिवसेना ने कहा कि 2020 में पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर 4,052 बार संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया। कांग्रेस ने क्या किया, यह पूछे जाने से बेहतर है कि यह सोचा जाए कि लद्दाख में चीनी घुसपैठ और पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे संघर्ष विराम उल्लंघन को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है।

'लव जिहाद' अध्यादेश को चुनौती देने वाली याचिका पर हाई कोर्ट ने योगी सरकार से जवाब तलब किया

प्रयागराज। (एजेंसी)।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 'लव जिहाद' अध्यादेश को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका पर राज्य सरकार से जवाबी हलफनामा दाखिल करने का शुक्रवार को निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर और न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की पीठ ने अधिवक्ता सौरभ कुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया। कुमार ने बलपूर्वक और धोखे से धर्म परिवर्तन के खिलाफ उत्तर प्रदेश के नए अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। वर्तमान में पीठ ने किसी तरह की अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया और राज्य सरकार को 4 जनवरी, 2021 तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता ने दलील दी कि यह अध्यादेश पसंद और आस्था बदलने के मौलिक अधिकार का हनन करता है। याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि यह नैतिक रूप से और संवैधानिक रूप से अवैध है। याचिकाकर्ता ने अदालत से इस अध्यादेश को संविधान के विपरीत घोषित करने का अनुरोध किया। याचिकाकर्ता ने साथ ही अदालत से अधिकारियों को याचिका लंबित रहने तक इस अध्यादेश के तहत कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश देने का अनुरोध भी किया है। याचिका के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 31 अक्टूबर, 2020 को एक बयान दिया था कि उनकी सरकार 'लव जिहाद' के खिलाफ एक कानून लाएगी।

बसपा की विकास परियोजनाओं को अपना बताकर पीठ थपथपा रही है भाजपा सरकार : मायावती

लखनऊ। (एजेंसी)।

जेवर में प्रस्तावित नोएडा अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन परियोजना को राज्य में रही बहुजन समाज पार्टी की पूर्ववर्ती सरकार का 'विकास मॉडल' बताते हुये पार्टी सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को कहा कि उनके द्वारा शुरू किये गये कार्यों पर पहले समाजवादी पार्टी और अब भाजपा अपनी पीठ थपथपा रही है। मायावती ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश में खासकर गंगा एक्सप्रेस-वे हो या विकास की अन्य परियोजनाएं अथवा जेवर में बनने वाला नया हवाई अड्डा हो, जग-जाहिर है कि ये सभी बसपा की मेरी तत्कालीन सरकार में तैयार किए गए विकास के प्रख्यात मॉडल हैं जिन्हें लेकर पहले सपा व अब वर्तमान भाजपा सरकार अपनी पीठ थपथपाती रहती हैं। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''साथ ही मेट्रो एवं अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, कन्नौज सहित प्रदेश के प्रचीन व प्रमुख शहरों में बुनियादी जनसुविधाओं की नई योजनाएं व उन्हें रिकॉर्ड समय में पूरा करने का काम भी बसपा का ही विकास मॉडल है जो कानून द्वारा कानून के राज के साथ प्राथमिकता में रहा, जिससे सर्वसमाज को लाभ मिला। बसपा अध्यक्ष ने ट्विटर पर लिखा, ''इस प्रकार मेरी सरकार के 2012 में जाने के बाद उत्तर प्रदेश में जो कुछ भी थोड़ा विकास संभव हुआ है वह ज्यादातार बसपा की सोच का ही परिणाम है। मेरी सरकार में ये काम और अधिक तेजी से होते अगर तत्कालीन कांग्रेस नीत केन्द्र सरकार पर्यावरण आदि के नाम पर राजनीतिक स्वार्थ की अड़ंगेबाजी नहीं करती। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन के लोगो, नाम और डिजाइन को अपनी स्वीकृति दी। चार फेज में बनने के लिए प्रस्तावित इस हवाई अड्डे की शुरुआती क्षमता 1.2 करोड़ यात्री प्रति वर्ष की होगी, जिसे अलग-अलग फेज में विस्तार देते हुए 2050 तक सात करोड़ यात्री प्रति वर्ष तक किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा था कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा विश्व के बेहतरीन हवाई अड्डों में से एक होगा, उत्तर प्रदेश सरकार इसे विश्वस्तरीय बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा, ''यह एयरपोर्ट भारत का गौरव बनेगा, हम इसे एक ग्लोबल ब्रांड के रूप में विश्व पटल पर प्रस्तुत करेंगे।

केजरीवाल का आरोप, भाजपा शासित नगर निगम में 2500 करोड़ का हुआ घोटाला

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को भाजपा शासित नगर निगमों में 2,500 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए इसे राष्ट्रमंडल खेल घोटाले से भी बड़ा बताया। दिल्ली विधानसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि इमारतों के लिए आवश्यक अनुमति देते समय नगर निगमों में हर साल 5,000-10,000 करोड़ रुपये के घोटाले होते हैं। उन्होंने कहा, '' यह बेहद दुखद दिन है क्योंकि हम एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) में हुए सबसे बड़े घोटाले की बात कर रहे हैं। 2,500 करोड़ रुपये का घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल घोटाले से भी बड़ा है। यहां तक कि सड़कों पर भी लोग एमसीडी में भ्रष्टाचार की बात करते हैं और वहीं लोग दिल्ली सरकार के ईमानदार होने की बात भी करते हैं।''

केजरीवाल ने कहा, '' इन 2,500 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सफाई कर्मचारियों, डॉक्टरों और निगम के अन्य कर्मचारियों का वेतन देने के लिए किया जा सकता था। इसका इस्तेमाल 12,500 अस्पतालों के बिस्तर (बेड) या 7500 मोहल्ला क्लीनिक बनाने के लिए किया जा सकता था।'' आप के राष्ट्रीय संयोजक ने सदन में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी से कथित घोटाले की जांच सीबीआई से कराने के लिए दबाव बनाने को भी कहा। उन्होंने कहा, '' नगर निगम में भाजपा के 15 साल के शासन का काला युग अब समाप्त होने वाला है।

भारत में निर्मित की गई कोरोना वैक्सीन भी दूसरे देशों की तरह होगी कारगर, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कही यह बात

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कोविड-19 के टीके की खुराक लेना व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करेगा और रेखांकित किया कि भारत में उपलब्ध टीका भी दूसरे देशों में विकसित टीके जितना ही कारगर होगा। मंत्रालय ने कहा कि पूर्व में कोविड-19 से संक्रमित हो चुके लोगों को भी कोरोना वायरस के टीके की पूरी खुराक लेने की सलाह दी जाती है क्योंकि इससे बीमारी के खिलाफ मजबूत प्रतिरोधक क्षमता तैयार होगी। मंत्रालय ने कहा कि दूसरी खुराक लेने के दो हफ्ते बाद शरीर में एंटीबॉडी का सुरक्षात्मक स्तर तैयार होता है।

मंत्रालय ने बृहस्पतिवार रात कोविड-19 टीके से जुड़े कुछ सवालों-जवाबों की सूची तैयार की। इसमें कुछ सवालों को शामिल किया गया है जैसे कि क्या सबके लिए टीका लेना जरूरी है, टीके से कितने दिनों में एंटीबॉडी तैयार होंगी, क्या कोविड-19 से उबर चुका व्यक्ति भी टीका ले सकता है आदि। मंत्रालय ने कहा, ''कोविड-19 का टीका लेना व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करेगा। हालांकि टीके की पूरी खुराक लेने की सलाह दी जाती है।''

मंत्रालय ने कहा कि विभिन्न टीके परीक्षण के अलग-अलग चरण में हैं। सरकार जल्द ही कोविड-19 टीकाकरण शुरू करने के लिए तैयारी कर रही है। भारत में कोविड-19 के छह टीकों के परीक्षण चल रहे हैं। इसमें आईसीएमआर के साथ तालमेल से भारत में बायोटेक द्वारा विकसित टीका, जायडस कैडिला, जेनोवा, ऑक्सफोर्ड के टीके पर परीक्षण चल रहा है। रूस के गमालेया राष्ट्रीय केंद्र के साथ तालमेल से हैदराबाद में डॉ रेड्डी लैब में स्पूतनिक वी के टीके और एमआईटी, अमेरिका के साथ तालमेल से हैदराबाद में बायोलोजिकल ई लिमिटेड द्वारा विकसित टीका भी शामिल हैं। कम अवधि में परीक्षण के बाद तैयार टीका क्या सुरक्षित होगा और क्या इसके कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं, इस पर मंत्रालय ने कहा है कि सुरक्षा और कारगर होने के आधार पर नियामक संस्थानों की मंजूरी के बाद टीके की पेशकश की जाएगी।

मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षित टीकाकरण अभियान के लिए राज्यों को टीके के विपरीत असर की स्थिति से निपटने के लिए भी इंतजाम करने को कहा गया है। मंत्रालय ने कहा कि 28 दिन के अंतराल पर टीके की दो खुराक लेने की आवश्यकता होगी। कैंसर, मधुमेह, हाइपरटेंशन आदि से जूझ रहे मरीज भी कोविड-19 के टीके की खुराक ले सकते हैं। आरंभिक चरण में कोविड-19 के टीके स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले प्राथमिकता समूह को दिए जाएंगे। टीके की उपलब्धता के आधार पर 50 से

ज्यादा उम्र वालों को भी इसकी खुराक दी जा सकती है। चिन्हित लोगों को टीकाकरण और उसके समय के बारे में उनके मोबाइल नंबर पर सूचना दी जाएगी। स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम मोर्चे के कर्मियों को टीकाकरण के लिए क्यों चुना गया है इस पर मंत्रालय ने कहा है कि सरकार अत्यंत जोखिम वाले समूहों को प्राथमिकता दे रही है कि उन्हें सबसे पहले टीके की खुराक मिले। टीके के लिए ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड आदि दस्तावेज मान्य होंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)